RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः302, गुरूवार, 13 नवंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8

9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मतगणना को लेकर निर्वाचित पदाधिकारी व तकनीकी टीम होंगे पूर्णतः प्रशिक्षितः डीएम 03

निर्वाचन विभाग की टीम ने स्ट्रांग रूम व मतगणना केंद्र में तैयारियों का लिया जायजा... 04

नेहल चूडसमा ने अमाल मलिक को दोहरे चेहरे वाला... 07

लाल किला धमाके के पीड़ितों से पीएम ने की मुलाकात

- भूटान से दिल्ली पहुंचते ही सीधे अस्पताल पहुंचे मोदी
- घायलों का हाल जाना, कहा- नहीं बच पाएंगे साजिशकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने बुधवार को एलएनजेपी अस्पताल में दिल्ली लाल किला धमाके में घायल लोगों से मुलाकात की। वे दोपहर 2 बजे भूटान दौरे से लौटे थे और सीधे एयरपोर्ट से अस्पताल पहुंचे। इसके बाद उन्होंने एक्स पर लिखा- साजिश

रचने वालों को सजा दिलाई जाएगी। मोदी करीब आधा घंटा अस्पताल में रहे और घायलों से बातचीत की। पीएम ने शाम को कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति (सीसीएस) की बैठक की। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस घटना का ब्योरा रखा। इसके बाद विस्फोटक से जुड़ी बाकी जानकारियां सार्वजनिक की जा सकती हैं। इससे पहले, अपनी भूटान यात्रा में ही पीएम मोदी ने मंगलवार को कहा था कि दिल्ली विस्फोट के सभी षड्यंत्रकारियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। इस विस्फोट में 12 लोग मारे गए हैं। प्रधानमंत्री ने भूटान में चांगलिमिथांग उत्सव मैदान में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सोमवार को दिल्ली में हुए 'भयावह' विस्फोट ने सभी को स्तब्ध कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं विस्फोट से प्रभावित लोगों की पीड़ा समझता हूं।'

- **पूरा देश पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़ा है**– पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि आज पूरा देश पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़ा है। इस विस्फोट के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। मोदी ने कहा कि उन्होंने विस्फोट की जांच से जुड़ी विभिन्न एजेंसियों और लोगों के साथ सोमवार रातभर बैठक की। उन्होंने कहा, 'हमारी एजेंसियां साजिश की तह तक जाएंगी और किसी भी साजिशकर्ता को बख्शा नहीं जाएगा।'

रिटेल महंगाई 14 साल में सबसे कम, अक्टूबर में 0.25 फीसदी रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्टूबर में रिटेल महंगाई 0.25 फीसदी के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई है। इसका कारण खाने-पीने की चीजों की कीमतों में कमी है। ये वर्तमान वेब सीरीज में अब तक की सबसे कम सालाना महंगाई है। यानी, ये करीब 14 साल का निचला स्तर है। इससे पहले सितंबर में ये 1.44 फीसदी पर थी। भारत में मौजूदा सीरीज 2012 के बेस ईयर पर बेस्ड है। मतलब, 2012 की कीमतों को 100 मानकर तुलना की जाती है। पहले 2010 या 1993-94 वाली सीरीज थीं, लेकिन समय के साथ अपडेट होती रहती है ताकि आंकड़े सही रहें। हर नई सीरीज में बेस ईयर चेंज होता है। महंगाई के बास्केट में लगभग 50 फीसदी योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महीने-दर-महीने की महंगाई माइनस 2.28 फीसदी से घटकर माइनस 5.02 फीसदी हो गई है। सितंबर महीने में ग्रामीण महंगाई दर 1.07 से घटकर माइनस 0.25 फीसदी हो गई है।

- खाने-पीने का सामान सस्ता होने का असर; सितंबर में 1.44 फीसदी थी

अजमेर में ट्रेलर में घुसी तेज रफ्तार कार, 2 की मौत

- गाड़ी के परखच्चे उड़े, बॉडी फंसी; राजस्थान घूमने आए थे युवक-युवती

अजमेर (एजेंसी)। अजमेर में एक तेज रफ्तार कार ट्रेलर में घुस गई। एक्सीडेंट में राजस्थान घूमने आए एक युवक-युवती की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। शव भी कार के मलबे में बुरी तरह फंस गए। एक्सीडेंट बुधवार सुबह 5 बजे नेशनल हाईवे-48 पर खेड़ा तिराहे के पास हुआ।

पुलिस के अनुसार युवक दीपक नागर (21) गौतमबुद्ध नगर (यूपी) और युवती तान्या यादव दिल्ली की रहने वाली थी। दोनों दिल्ली यूनिवर्सिर्टी से बीबीए कर रहे थे। दोनों तीन दिन पहले राजस्थान घूमने के लिए आए। रात उदयपुर से रवाना होकर जयपुर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार कार का रजिस्ट्रेशन उत्तर प्रदेश का है। गाड़ी दिल्ली के कमला नगर थाना क्षेत्र की रहने वाली तान्या पुत्री शिवराम यादव ड्राइव कर रही थी।

अगर देश में हिंदू एक नहीं हुए तो 80 हजार मरेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा- हिंदू एक होंगे तो धमाके नहीं होंगे। आतंकवाद की घटनाओं में एक ही कौम के लोगों का नाम क्यों आता है। यह सवाल खड़ा होता है। अभी आठ लोग मरे हैं। अगर हिंदू एक नहीं हुए तो 80 हजार मर जाएंगे। हिंदू एक होने में जितनी देरी करेंगे, उतने हिंदू घटते जाएंगे। कई शहरों को दहलाने की कोशिश थी। दंगा करने वाले घर से बाहर न निकलें, इतनी एकता हिंदुओं में होनी चाहिए। विदेशी ताकतें हमें डराने के लिए ये सब कर रही हैं। हम सब भारतीयों को कदम से कदम मिलाकर इन्हें जवाब देना पड़ेगा। दिल्ली ब्लास्ट के बाद हमने पदयात्रा में गीत-संगीत बंद करा दिया। यात्रा में करीब 20 से 25 हजार लोग चल रहे हैं। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को देखने के लिए कहीं क्रेन तो कहीं पेड़ पर युवा चढ़ गए। धीरेंद्र शास्त्री ने यात्रा के दौरान जमीन पर बैठकर भोजन किया। उन्होंने एक बुजुर्ग भक्त के साथ ढोल बजाया। यात्रा में जगह-जगह छतों से तो कई क्रेन से फूल बरसाए जा रहे हैं। धीरेंद्र शास्त्री की 'सनातन एकता पदयात्रा' 12 नवंबर को 6 वां दिन है। यात्रा पलवल के तुमसरा गांव से शुरू हुई। यात्रा ने 16 किलोमीटर का सफर तय किया। 4 दिन बाद यानी 16 नवंबर को यात्रा वृंदावन पहुंचेगी। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- हिंदू एक होंगे तो धमाके नहीं होंगे।

- धीरेंद्र शास्त्री बोले-आतंकी घटनाओं में एक कौम का नाम क्यों?

एक साथ कई धमाके फायरिंग से करना था कत्लेआम

- दिल्ली ब्लास्ट में 200 पावरफुल आईईडी बनाने की थी तैयारी
- गुरुग्राम से होना था 'खेला', मुंबई अटैक जैसा बना सुरक्षा प्लान

गुरुग्राम (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर की शाम हुए ब्लास्ट में गुरुग्राम और फरीदाबाद पुलिस की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। हरियाणा पुलिस के एक सीनियर अफसर ने बताया कि इस आतंकी मॉड्यूल ने 200 से ज्यादा पावरफुल आईईडी तैयार करनी थी। इसीलिए 2900 केजी विस्फोटक के साथ टाइमर व बम बनाने वाली अन्य चीजें लाई गई थी। यह भी पता चला है कि यह आतंकी मुंबई में 26/11 हमले की तर्ज पर बड़े धमाकों की प्लानिंग में थे। जिसमें एक साथ कई शहरों में सिर्फ धमाके ही नहीं करने थे बल्कि एके-56 व एके-47 जैसी राइफल से पब्लिक प्लेस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर लोगों का कत्लेआम करना था। यही नहीं, इन्होंने हाईप्रोफाइल टारगेट्स के साथ अस्पतालों को भी निशाना बनाना था ताकि धमाके और फायरिंग की सूरत में एकदम से मेडिकल मदद न मिल सके। इससे मैक्सिमम केजुअल्टी होगी। इस खुलासे के बाद गुरुग्राम पुलिस ने मुंबई हमले जैसी सिक्योरिटी फोर्स तैयार कर ली है। जिसके जरिए भीड़भाड़ वाली जगहों से लेकर अस्पतालों तक की निगरानी भी बढ़ाई गई है।

गुरुग्राम नंबर की कार, ताकि आने-जाने में शक न हो

जिस कार में ब्लास्ट हुआ, वह गुरुग्राम नंबर की थी। यह कार इसलिए खरीदी गई ताकि दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद में आने-जाने में कोई शक न करे। गुरुग्राम से डेली सैकड़ों लोग जॉब-बिजनेस के सिलसिले में दिल्ली में अपडाउन करते हैं। वहीं फरीदाबाद गुरुग्राम से सटा हुआ है। ऐसे में पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को लोकल या पड़ोसी जिले के नंबर से ज्यादा शक नहीं हुआ।

- **मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में विस्फोटक किया जमा** – जिस फतेहपुर तगा और धौज में 2900केजी विस्फोटक जमा किया, वह भी मुस्लिम बाहुल्य इलाके चुने गए ताकि ज्यादा शक न हो। धौज के जिस घर से 360केजी विस्फोटक बरामद हुआ, उसमें ऊपर सीमेंट का गोदाम बना हुआ था। इसी वजह से इसे लिया गया ताकि देखने वालों को लगे कि यह सीमेंट हो सकती है। वहीं फतेहपुर तगा के जिस घर से 2500 केजी से ज्यादा विस्फोटक मिला, वह इमाम का घर था। यहां भी शक की गुंजाइश नहीं थी क्योंकि मुस्लिम समाज मौलवी के रखे किराएदार पर शक नहीं करता। फतेहपुर तगा को लेकर एक और बात सामने आई है कि मुजम्मिल ने यहां खास तौर पर 2 गेट देखकर ही कमरा लिया था। इसका एक गेट बाहर तो दूसरा अंदर से खुलता था। मुजम्मिल जब सामान्य तौर पर आता तो अंदर वाले गेट से कमरे में जाता।

मध्यप्रदेश के 11 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे

- राजस्थान में कोल्ड वेव का अलर्ट, दिल्ली में भारी ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में ठंड का असर दिखने लगा है। मध्य प्रदेश बर्फीली हवाओं से नवंबर में ही ठिठुर गया है। मंगलवार रात 11 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। वहीं, अगले 4 दिन तक कोल्ड वेव का अलर्ट है। राजस्थान में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मंगलवार रात कई शहरों में रात का टेम्प्रेचर 10 डिग्री से नीचे आ गया। मौसम विभाग ने सीकर में चार दिन और टोंक में एक दिन कोल्ड वेव चलने का यलो अलर्ट भी जारी किया है। इधर, दिल्ली की हवा बेहद खराब हो गई है। बुधवार सुबह औसत एक्यूआई 413 दर्ज हुआ, जो 'गंभीर' श्रेणी में है। वजीरपुर में सबसे ज्यादा 459 रहा।

पासपोर्ट से मिले क्लू को खंगाल रहीं जांच एजेंसियां

- भारत के दुश्मन तुर्की से जुड़ रहा ब्लास्ट का कनेक्शन

डॉ उमर और डॉ मुजम्मिल के लिंक की तफ्तीश हुई शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद तुर्की ने किस तरह से भारत से दुश्मनी निभाई, यह दुनिया देख चुकी है। अब दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाकों का भी कनेक्शन भारत के लिए दूसरे पाकिस्तान के तौर पर उभरते इसी मुल्क से जुड़ रहा है। दरअसल, इस वारदात के मुख्य संदिग्ध डॉ मोहम्मद उमर उर्फ उमर उन नबी और फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़े एक और संदिग्ध डॉ मुजम्मिल शकील के पासपोर्ट से उनके तुर्की की यात्रा का संकेत मिल रहे हैं और यह भी पता चल रहा है कि उन्हें वहीं से भारत में आतंकी साजिशों को अंजाम देने का फरमान मिल रहा था। सूत्रों के अनुसार दिल्ली

धमाकों की जांच कर रही एजेंसियां अब डॉ उमर और डॉ मुजम्मिल के तुर्की लिंक की तफ्तीश में जुट गई हैं।

मौलवी इरफान ने जोड़े तुर्की वाले तार

अब सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक तुर्की में बैठे एक हैंडलर ने फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल से जुड़े डॉक्टरों को यह निर्देश दिया था कि वे पूरे भारत में अपने-अपने लोकेशन टारगेट करके फैल जाएं। इन लोकेशन में दिल्ली से सटे हरियाणा का फरीदाबाद और पश्चिमी यूपी का सहारनपुर भी शामिल है। अपने नापाक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए इन दोनों जगहों को इन्होंने तुर्की यात्रा के बाद ही टारगेट किया था। एनबीटी ऑनलाइन ने मंगलवार को भी एक रिपोर्ट दी थी।

गुजरात में भरूच में हादसा, तीन की मौत

- केमिकल कंपनी में बॉयलर फटने से हादसा, 24 घायल
- धमाके से आसपास की कंपनियों को भी पहुंचा नुकसान

भरूच (एजेंसी)। गुजरात में भरूच जिले के इंडस्ट्रियल एरिया जीआईडीसी में मंगलवार देर रात एक कंपनी में विस्फोट से तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 24 कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को भरूच के अलग-अलग अस्पतालों में एडमिट करवाया गया है। इनमें 4-5 कर्मचारियों की हालत गंभीर है। बायलर फटने से लगी आग सायखा गांव के पास जीआईडीसी की विशाल फार्मा नाम की कंपनी में रात करीब ढाई बजे बॉयलर फट गया, जिससे प्लांट में आग लग गई। विस्फोट इतना तेज था कि आसपास की 4 कंपनियों को भी नुकसान पहुंचा। हादसे में तीन कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

ब्रिटेन पहुंचकर वापस अमेरिका लौटे अपाचे हेलीकॉप्टर

- मुनीर के इशारे पर भारत को धोखा दे रहे हैं राष्ट्रपति ट्रंप!
- अमेरिका के इस कदम से अटकलों का बाजार हुआ गरम

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ चल रहे तनाव के बीच अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर का लंबे समय से इंतजार कर रही भारतीय वायुसेना को बड़ा झटका लगा है। भारतीय सेना को अमेरिका से अपाचे हेलीकॉप्टर का दूसरा और आखिरी बैच मिलने वाला था। इन हेलीकॉप्टरों को बनाने वाली अमेरिकी कंपनी बोइंग ने उसे एम-124 कार्गो प्लेन पर लादकर ब्रिटेन तक पहुंचा भी दिया था लेकिन फिर अचानक से उसे वापस अमेरिका भेज दिया गया। भारतीय सेना ने अमेरिका को साल 2020 में 6 अपाचे टैंक किलर हेलीकॉप्टर का ऑर्डर दिया था। इन हेलीकॉप्टर का पहला बैच 2024 में मिलना था लेकिन अमेरिका उसे जुलाई 2025 में दे पाया। अब दूसरे और अखिरी बैच को देने में भी अमेरिका आनाकानी करने लगा है। ब्रिटेन से भारतीय सेना के अपाचे हेलीकॉप्टरों को वापस अमेरिका भेजे जाने से कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। सोशल मीडिया पर एयरप्लेन पर नजर रखने वाले ने एक्स पर बताया कि भारी वजन ले जाने वाले एम-124 विमान 30 अक्टूबर को जर्मनी से अमेरिका के मेसा गेटवे एयरपोर्ट पहुंचे थे। यह विमान भारतीय अपाचे को लेकर ब्रिटेन पहुंचा।

असीम मुनीर ने किया था अमेरिका का दौरा

अपाचे हेलीकॉप्टर पहाड़ी इलाके में भी आसानी से उड़ान भरने में सक्षम हैं और जोरदार तरीके से दुश्मन के इलाके में दिन हो या रात कभी भी हमला कर सकते हैं। इसे युद्धपोतों के खिलाफ भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें हेलिफायर मिसाइलें लगी हैं जिससे यह टैंक किलर बन जाता है। यह पाकिस्तान या चीन के टैंकों और हथियारबंद वाहनों का काल बन सकता है। यह एक के बाद एक 16 लक्ष्यों को तबाह कर सकता है। अमेरिका ने अपाचे को देने में यह देरी ऐसे समय पर की है जब पाकिस्तानी सेना और डोनाल्ड ट्रंप के बीच रिश्ते काफी मजबूत हो गए हैं। वहीं भारत के साथ टैरिफ को लेकर तनाव बना हुआ है। इससे अमेरिका की मंशा पर सवाल उठ रहे हैं। असीम मुनीर ने हाल ही में अमेरिका का दौरा किया था और ट्रंप के साथ मुलाकात की थी।

- **पाकिस्तान के खिलाफ इस्तेमाल होंगे अपाचे टैंक किलर**– अमेरिका डील के 5 साल बाद भी अभी तक भारत को इन हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति नहीं कर सका है। भारतीय सेना ने अपाचे के पहले बैच को पाकिस्तान के खिलाफ जोधपुर में तैनात किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि ये हेलीकॉप्टर भारतीय सेना की ताकत को बढ़ाएंगे। खासकर चुनौतीपूर्ण इलाके में ये कारगर होंगे। भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही 22 अपाचे हेलीकॉप्टर हैं। ये उड़ते टैंक पठानकोट और असम के जोरहाट एयर बेस पर तैनात हैं। भारतीय सेना ने चीन के साथ गलवान में टकराव के बाद अमेरिका से चिनूक के साथ अपाचे को खरीदा था। पाकिस्तान ने अपाचे को टक्कर देने के लिए चीन से लड़ाकू हेलीकॉप्टर खरीदा है। अमेरिकी कंपनी बोइंग का दावा है कि अपाचे एक आधुनिक मल्टी मिशन हेलीकॉप्टर हैं जिसमें अत्याधुनिक तकनीक को लगाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

हिसुआ में भाजपा प्रत्याशी और ग्रामीणों में बकझक, तीन जिलों में झड़प और पथराव, 13 जिले में वोट बहिष्कार हुआ

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के दौरान कहीं कोई बड़ी घटना नहीं हुई। तीन जिलों के मतदान केंद्रों पर झड़प और पथराव की घटनाएं सामने आई है। वहीं, 13 जिलों में नाराज मतदाताओं ने वोट बहिष्कार किया। जहानाबाद के घोसी थाना के हरदासपुर बिगहा स्थित मध्य विद्यालय के बूथ पर जदयू और माले समर्थकों के बीच झड़प हो गई। इसमें जदयू के चार समर्थक जख्मी हो गए। इसको लेकर सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।इधर, जमुई के खैरा थाना के झुंडो गांव के मध्य विद्यालय स्थित बूथ पर सेक्टर पदाधिकारी मो. आजाद को किसी व्यक्ति ने खाना दिया। इस कारण यह अफवाह फैल गई कि उन्हें पैसा दिया गया है। इसे लेकर मतदान केंद्र के बाहर करीब 300 मीटर दूरी पर दो समुदाय के बीच झड़प और पत्थरबाजी हो गई। हालांकि, घटना में कोई जख्मी नहीं हुआ। वहीं, नवादा के हिसुआ थाना इलाके के घुरिया के बूथ नंबर 110 और 111 पर भाजपा के पोलिंग एजेंट के बैठने को लेकर हिसुआ विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी अनिल कुमार सिंह और ग्रामीणों के बीच बकझक हो गई। इसके अलावा, फारबिसगंज विधानसभा के बूथ नंबर 196, 197, 198 और 199 पर भाजपा प्रत्याशी मंचन केसरी और कांग्रेस प्रत्याशी मनोज विश्वास पार्टी का स्टीकर लगाकर वाहन से पहुंचे थे। दोनों के वाहनों को जब्त कर लिया गया।

4329 यात्रियों से जुर्माना, प्रमुख स्टेशनों पर मेगा टिकट चेकिंग अभियान में 30.30 लाख रुपए वसूले गए

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के सोनपुर मंडल में मेगा टिकट जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक के कुशल निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री रौशन कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। अभियान के अंतर्गत मंडल के प्रमुख स्टेशनों एवं विभिन्न ट्रेनों में एक साथ समन्वित और सघन टिकट जांच की गई। इस टिकट चेकिंग अभियान के दौरान कुल 4329 यात्रियों से 30,30,470 रुपए। जुर्माने के रूप में लिया गया। यह कार्यवाही मंडल के सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, नवगछिया सहित अन्य प्रमुख स्टेशनों पर की गई। टिकट जांच दल ने बिना टिकट यात्रा, गलत श्रेणी में यात्रा, अनियमित टिकट तथा मासिक पास के दुरुपयोग जैसे मामलों में तत्परता से कार्रवाई की गई। इस संयुक्त अभियान में सोनपुर मंडल के अनुभवी टिकट निरीक्षक, वाणिज्य निरीक्षक एवं आरपीएफ टीमों ने प्रभावी समन्वय के साथ कार्य किया। अभियान के दौरान यात्रियों को नियमित टिकट लेकर यात्रा करने के लिए जागरूक भी किया गया। रेल प्रशासन यात्रियों से यह अपील करता है कि वे बिना टिकट यात्रा न करें तथा रेलवे के नियमों का पालन करें ।

प्रेम कुमार यादव जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त, अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने की घोषणा

हाजीपुर। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव ने मंगलवार को पार्टी की संगठनात्मक मजबूती को ध्यान में रखते हुए प्रेम कुमार यादव को पार्टी का मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता घोषित किया है।प्रेम कुमार यादव वर्तमान में राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से जनशक्ति जनता दल के उम्मीदवार हैं। पार्टी ने उनके अनुभव और सक्रियता को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। प्रेम कुमार यादव ने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक, डबल एम.ए. और एलएलबी की पढ़ाई की है। वे पिछले 15 वर्षों से राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हैं और लगातार जनता के बीच अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पार्टी नेतृत्व को विश्वास है कि प्रेम कुमार यादव अपने अनुभव और जनसंपर्क के बल पर जनशक्ति जनता दल के विचारों और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य प्रभावी ढंग से करेंगे।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उम्मीद जताई है कि उनकी नियुक्ति से पार्टी को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी। प्रेम कुमार यादव वैशाली जिले के बिदुपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चक सिकंदर गांव के निवासी हैं। उन्होंने अपने क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और युवाओं के सशक्तिकरण से जुड़े कई कार्य किए हैं।

बाढ़ के पानी में डूबकर व्यक्ति की मौत, पैर फिसलने से हुआ हादसा, एसडीआरएफ ने शव बाहर निकाला

हाजीपुर। हाजीपुर के राघोपुर में बाढ़ के पानी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान तेरसिया गांव वार्ड नंबर सात निवासी 50 वर्षीय अशोक दास के रूप में हुई है, जो नंदन दास के पुत्र थे। यह घटना गंगाब्रिज थाना क्षेत्र के तेरसिया पूर्वी पाया नंबर 10 के पास हुई। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 10 बजे अशोक दास शौच के बाद बाढ़ के जमे पानी में हाथ-पैर धोने गए थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चले गए, जिससे उनकी डूबने से मौत हो गई। अशोक दास बैंड बाजा पार्टी में काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में शोक छा गया। "बचाओ-बचाओ" की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और शव को पानी में खोजने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की जानकारी एसडीआरएफ टीम को दी। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ के प्रभारी अखिलेश कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद एसडीआरएफ ने शव को पानी से बाहर निकाला। स्थानीय थाने की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

रेगनियाबाग में पति ने की पत्नी की पिटाई, कमरे में बंद कर हुआ फरार, ग्रामीणों ने ताला तोड़कर बचाया

पटना। पटना जिले के नौबतपुर थाना क्षेत्र के रेगनियाबाग गांव में बुधवार को पति ने अपनी पत्नी की पिटाई कर उसे कमरे में बंद कर दिया। जिसके बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। महिला की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीणों ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। डायल 112 की टीम ग्रामीणों की मदद से मौके पर पहुंची और घर का ताला तोड़कर महिला को बाहर निकाला। महिला कमरे के भीतर घायल अवस्था में मिली, उसके शरीर पर चोट के कई निशान थे। पुलिस ने घायल महिला को नौबतपुर रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने उसे गंभीर हालत में एम्स पटना रेफर कर दिया। घायल महिला की पहचान रेगनियाबाग निवासी गीता देवी (पति राकेश कुमार) के रूप में हुई है। गीता देवी की शादी वर्ष 2013 में राकेश कुमार से हुई थी। उनका मायका बिहटा थाना क्षेत्र के अल्हणपुरा गांव में है। उनके दो बच्चे हैं, जिनमें एक बेटी और एक बेटा शामिल हैं। गीता देवी के भाई मनीष कुमार ने बताया कि उनके पति राकेश कुमार अक्सर उन्हें मारते-पीटते थे। राकेश अपनी पत्नी और बच्चों के खर्च का ध्यान नहीं रखते थे। मनीष कुमार के अनुसार, "मेरी दीदी घर का खर्च चलाने के लिए बाहर काम करने जाती थी, इसी बात से वह नाराज रहता था। आज जब गांव वालों ने फोन किया कि दीदी के साथ फिर से मारपीट हुई है, तो हम दौड़े आए। यहां पहुंचने पर देखा कि 112 की टीम घायल दीदी को अस्पताल ले जा रही थी।" नौबतपुर थाना प्रभारी संजीत कुमार ने इस मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित पक्ष की ओर से आवेदन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, "मामले की जांच की जा रही है और अग्रतर कार्रवाई की जाएगी। आरोपी पति की तलाश जारी है।"

डायरी-मोबाइल से मौत का राज पता करेगी पुलिस

एएनएम ट्रेनिंग स्कूल में टीचर की मिली थी लाश, पिता के आवेदन पर यूडी केस दर्ज

एजेंसी, पटना

- ज्योति के पिता महेश्वर प्रसाद सिंह ने शास्त्रीनगर थाने में आवेदन दिया

पटना में 10 नंवबर को ANM ट्रेनिंग स्कूल की टीचर ज्योति की फंदे से लटकी मिली थी। मामले में ज्योति के पिता महेश्वर प्रसाद सिंह ने शास्त्रीनगर थाने में आवेदन दिया है। शास्त्रीनगर थानेदार रविन्द्र कुमार ने बताया कि पिता ने किसी के खिलाफ शिकायत नहीं की है। उनके आवेदन पर यूडी केस दर्ज किया गया है। अगर आगे किसी तरह की सूचना या आशंका जताई जाएगी तो उसके आधार पर भी जांच-पड़ताल होगी। फिलहाल इन्वेस्टिगेशन चल रहा है। वहीं, पुलिस की जांच में ज्योति की एक डायरी मिली है। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। इसके अलावा मोबाइल भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। डायरी और मोबाइल की जांच से मौत का राज खुल सकता है। मामला शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के पश्चिमी पटेल नगर स्थित सौम्या कृष्णा ANM ट्रेनिंग स्कूल का है।

डायरी परिवार के लोगों का जिक्रः मृतका ज्योति समस्तीपुर के मुसरीधरारी की रहने वाली थी। पुलिस की अब तक की जांच में लव ट्राइंगल सामने नहीं आया है। जो कमरे से डायरी मिली है, पुलिस सूत्रों के मुताबिक उसमें भी अपने परिवार से संबंधित बातों का ही ज्योति ने जिक्र किया है। जिसमें नाराजगी भी है। हालांकि खुलकर इसके लिए दोषी नहीं ठहराया है। मोबाइल में बहुत सारे जानने वालों के कॉल्स थे। जिसमें महिला सहकर्मी भी शामिल है।

हॉस्टल में 2 महिला शिक्षिका रहती थींः पुलिस को कॉलेज की प्रिंसिपल एंजिलिना बेंजामिन ने बताया कि हॉस्टल में 2 महिला शिक्षिका रहती हैं। सुबह सुप्रिया ने बताया था कि गेट खटखटाने के बाद भी ज्योति दरवाजा नहीं खोल रही थी। इसके बाद मैंने गार्ड सोनू को बुलाया। उसने दरवाजा तोड़ा। जिसके बाद देखा कि ज्योति फंदे से लटकी है।

छुट्टी से आई थी ज्योतिः सहकर्मी शिक्षिका सुप्रिया रानी ने बताया कि ज्योति और मैं रात में साथ खाना खाए थे। हंसी खुशी थी। देर शाम अपने घर से लौटकर आई थी। गुरुनानक जयंती पर घर गई थी। पिछले 4 दिनों से घर पर ही थी। किसी को कभी कोई परेशानी नहीं बताई। कभी ऐसा लगा भी नहीं कि सुसाइड कर सकती है।

'लिखकर रख लो 14 नवंबर को महागठबंधन सरकार आ रही'

एजेंसी, पटना

- तेजस्वी बोले- 18 नवंबर को शपथ लूंगा, काउंटिंग में गड़बड़ी हुई तो मुंहतोड़ जवाब मिलेगा

तेजस्वी यादव ने बुधवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, चुनाव का मतदान खत्म हो चुका है। दो चरण में ये चुनाव हुआ। हम सबसे पहले महागठबंधन के सभी नेताओं को सारे कार्यकर्ताओं को और सभी बिहार की जनता को दिल से धन्यवाद देना चाहते हैं कि इस लोकतंत्र के पर्व में बिहार की जनता ने बढ़-चढ़कर मतदान किया है।

चुनाव खत्म होने के बाद सभी लोगों से हमने जो प्रतिक्रिया ली, जो हमें सूचना मिली वे बेहद सकारात्मक है। 1995 से भी बेहतर प्रतिक्रिया हमें देखने को मिली है। सभी लोगों ने भारी मतदान करके इस सरकार के खिलाफ वोट किया है और इस बार बदलाव होने जा रहा है। कहीं भी कोई गुंजाइश नहीं रह गई है।

18 नवंबर को शपथ ग्रहण होगाः तेजस्वी ने आगे कहा, 'हमने पहले भी कहा था कि 14 तारीख को नतीजे होंगे और 18 को शपथ ग्रहण होगा। यह निश्चित तौर पर होने जा रहा है। भाजपा और NDA के पसीने छूट रहे हैं। वे लोग बौखलाहट में हैं और बेचैन हैं। कल वोटिंग के दौरान लोग बड़ी कतारों में खड़े थे। लोग खड़े रहे और एग्जिट पोल आता है यानी मतदान अभी खत्म नहीं हुआ कि एग्जिट पोल आ गया। इस तरह के सर्वे को लेकर हम न किसी खुशफहमी में रहते हैं और न ही गलतफहमी में रहते हैं। ये सर्वे केवल मनोवैज्ञानिक तौर पर जितने भी अधिकारी चुनाव में लगे हुए हैं, उनके दबाव में लाया गया है।'

काउंटिंग में गड़बड़ी हुई तो मुंहतोड़ जवाब मिलेगाः तेजस्वी यादव ने कहा, 'काउंटिंग स्लो कराने की साजिश है। पिछली बार भी खेल हुआ था। इस बार मतगणना में गड़बड़ी हुई तो जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। हमारे लोग हर जगह एक्टिव हैं और हर चीज पर नजर है।'

विजय चौधरी ने कहा- एग्जिट पोल में जदयू की सीटें अधिक दिख रही

एजेंसी, पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव का रिजल्ट 14 नवंबर को आएगा। उससे पहले मंत्री विजय कुमार चौधरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही आगे भी मुख्यमंत्री बने रहेंगे और इस पर कोई दूसरा विकल्प नहीं है। चौधरी ने बिहार की जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि मतदान शांतिपूर्ण और निर्विवाद तरीके से संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान शुरुआत में इसे विवादास्पद बनाने की कोशिश की गई थी। चुनाव को प्रभावित करने के लिए कुछ लोग तमाम साजिशों की तैयारी कर रहे थे, लेकिन नई मतदाता सूची के आधार पर दोनों चरणों का मतदान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मंत्री ने कहा कि मतदाताओं के बीच कोई भ्रम नहीं था और जिस उत्साह के साथ लोगों ने मतदान में हिस्सा लिया, उससे यह स्पष्ट है कि अब जनता काफी जागरूक हो गई है। चुनाव के दौरान विपक्ष की ओर से लगाए गए आरोप धीरे-धीरे शांत हो गए और एग्जिट पोल में जो रुझान दिख रहे हैं, वह आश्चर्यजनक नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार के खिलाफ कोई नाराजगी नहीं थी। यह भी कहा कि जदयू हमेशा से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ती रही है और इस बार भी एग्जिट पोल में पार्टी की सीटें अधिक दिख रही हैं। कहा कि नतीजे जो भी आएं, उन्हें स्वीकार किया जाएगा। चौधरी ने इस मौके पर यह भी बताया कि चुनाव संपन्न होने के बाद मुख्यमंत्री पटना के हनुमान मंदिर, गुरुद्वारा और मजार गए, जो पूरे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और जनता के प्रति सम्मान को दर्शाता है।

पटना में 14 नवंबर को सुबह 5 बजे से ही एएन कॉलेज की ओर नहीं जाएंगी गाड़ियां

एजेंसी, पटना

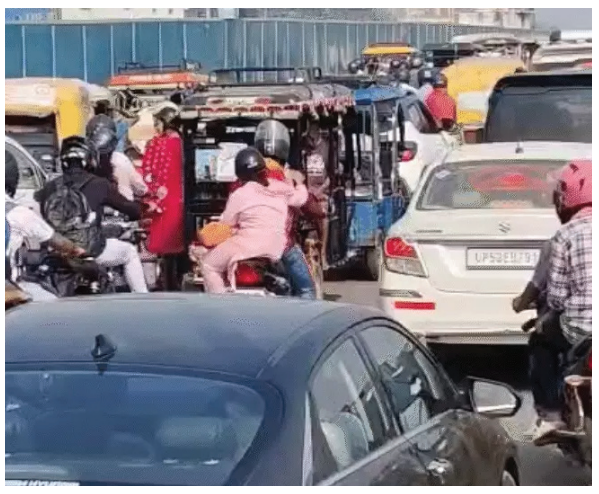

- आसपास के रूट भी डायवर्ट

पटना के AN कॉलेज में 14 नवंबर को मतगणना होनी है। राजधानी के 14 विधानसभा क्षेत्रों के वोटों की काउंटिंग सुबह 8 बजे से शुरू होगी। इसे लेकर रूट को डायवर्ट कर दिया गया है। हालांकि इस दौरान इमरजेंसी गाड़ियां जा सकती हैं। एम्बुलेंस, अग्निशमन और न्यायिक कार्य से जुड़ी गाड़ी जा सकती है। सुबह 5 बजे से ही ट्रैफिक रूट डायवर्ट रहेगा। मतगणना के दौरान एएन कॉलेज के आसपास के सभी रूट बंद रहेंगे। पाटलिपुत्र, राजापुर पुल, शिवपुरी समेत कई जगहों से बोरिंग रोड के लिए गाड़ियां नहीं चलेंगी।

थ्री-टियर सिक्योरिटी में होगी काउंटिंगः स्ट्रॉन्ग रूम में तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था (थ्री-टियर सिक्योरिटी) लागू की गई है। इसमें पहला स्तर सीएपीएफ के नियंत्रण में, सीआईएसएफ की 1 प्लाटून और सीआरपीएफ की 2 प्लाटून तैनात हैं। वहीं, दूसरा स्तर बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (BSAP) की 1 कंपनी। तीसरा स्तर जिला सशस्त्र पुलिस (DAP) के 12 सेक्शन हैं। इसके अलावा 3 एएसपी/डीएसपी, 13 पुलिस पदाधिकारी और 12 मजिस्ट्रेट 24 घंटे निगरानी में हैं। सीसीटीवी कैमरों से हर पल निगरानी की जा रही है और किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं है।

सबसे पहले मोकामा सबसे लेट दीघा का आएगा रिजल्टः प्रत्येक विधानसभा के लिए अलग-अलग हॉल में 14 टेबल पर एक साथ 14 ईवीएम रखकर गिनती की जाएगी। यह एक राउंड होगा। हर राउंड 10 से 15 मिनट में पूरी होगी। मतगणना शुरू होने के बाद सुबह करीब 9 बजे से रूझान आने शुरू हो जाएंगे। पटना जिले के मोकामा विस का रिजल्ट सबसे पहले आएगा। सबसे आखिर में दीघा विधानसभा का परिणाम आएगा।

स्ट्रॉन्ग रूम की 3 लेयर में निगरानी सीसीटीवी से 24 घंटे हो रही चौकसी

- सीएपीएफ के जवान कर रहे गश्ती

एजेंसी, पटना

पटना में विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी त्यागराजन एसएम ने बताया कि स्ट्रॉन्ग रूम की निगरानी 3 लेयर में की जा रही है। इसमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF), बिहार सशस्त्र पुलिस (BSAP) और जिला पुलिस के जवान संयुक्त रूप से तैनात हैं। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 14 नवंबर को होने वाली मतगणना की तैयारियां तेजी से जारी हैं। स्ट्रॉन्ग रूम के चारों ओर ऐसा सुरक्षा घेरा बनाया गया है, जिससे किसी भी अनधिकृत व्यक्ति का प्रवेश असंभव हो। सभी प्रवेश द्वारों पर सीसीटीवी कैमरों से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है, जबकि CAPF के जवान लगातार गश्त पर हैं।

जो नियम तोड़ेंगे, उनपर सख्त कार्रवाई होगीः त्यागराजन एस.एम. ने चेतावनी दी है कि किसी भी तरह की गड़बड़ी या नियम तोड़ने की कोशिश करने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल सख्त और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता से कोई समझौता नहीं होगा। मतगणना केंद्र के आसपास 24 घंटे सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। अधिकारियों की टीम लगातार सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा कर रही है, ताकि मतगणना के दिन किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। पटना जिला प्रशासन ने आम जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की है। निर्वाचन अधिकारी ने भरोसा दिलाया कि हर वोट सुरक्षित है और मतगणना पूरी पारदर्शिता के साथ होगी।

बॉयफ्रेंड से मिलने ओडिशा से पटना पहुंची लड़की ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान प्यार हुआ

- स्टेशन पर पुलिस ने पकड़ा 3 दिन थाने में बैठाया

एजेंसी, पटना

ओडिशा की नाबालिग लड़की और हरियाणा के लड़के के बीच ऑनलाइन गेम खेलते-खेलते अफेयर शुरू हो गया। दोनों ने एक-दूसरे से मिलने का फैसला किया। नाबालिग बिना घर में किसी को बताए पिछले बुधवार को ओडिशा अपने घर से अकेली निकली थी। वो शनिवार शाम पटना जंक्शन पहुंची। बॉयफ्रेंड शिवम भी शनिवार को ही हरियाणा से पटना जंक्शन आया था। पटना जंक्शन पर दोनों साथ बैठकर बात करने लगे। दोनों को देखकर आरपीएफ को शक हुआ। पूछताछ की तब पता चला कि दोनों दूसरे राज्य से आए हैं। नाबालिग लड़की थी, लिहाजा दोनों को आरपीएफ के हवाले कर दिया गया। आरपीएफ ने दोनों को कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। थाने में पुलिस ने दोनों शनिवार शाम से लेकर सोमवार दोपहर तक बैठाकर रखा। लड़की के परिवार वाले ओडिशा पुलिस के साथ पटना पहुंचे तब पटना पुलिस ने लड़की को छोड़ा। ओडिशा पुलिस लड़के को भी अपने साथ ले गई है।

नाबालिग लड़की ओडिशा के राउरकेला और उसका बॉयफ्रेंड शिवम (22) हरियाणा के मानेसर का रहने वाला है। शिवम मोटर बाइक के पार्ट्स एजेंसी में काम करता है। उसे ऑनलाइन गेम खेलने की लत है। गेम खेलने के दौरान करीब डेढ़ साल पहले शिवम का नाबालिग लड़की से कॉन्टैक्ट हुआ। फिर धीरे-धीरे चैटिंग शुरू हो गई। लड़की को शिवम की बातें अच्छी लगने लगी। इधर, शिवम भी लड़की से बात करने में इंट्रेस्ट दिखाने लगा। स्थिति ऐसी हो गई कि जब वो जॉब पर होता था तब भी समय निकालकर ऑनलाइन गेम खेलने लगता था, ताकि वो लड़की से चैट कर सके। दोनों ने एक-दूसरे को देखा नहीं था, पर फिर भी लगाव बढ़ते जा रहा था। पटना जंक्शन पर शनिवार को मिलने के बाद शिवम अपनी गर्लफ्रेंड को लेकर दिल्ली जाने वाला था।

इसी बीच आरपीएफ ने दोनों को पकड़ लिया और कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया।

बिहार में 4 दिसंबर के बाद बढ़ेगी ठंड, नवंबर में बारिश नहीं

एजेंसी, पटना

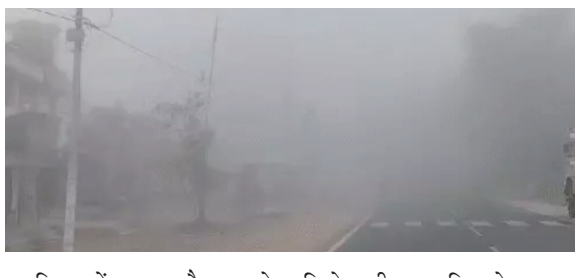

- रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद-किशनगंज में 10 डिग्री पहुंचेगा न्यूनतम तापमान

नवंबर का महीना आते ही बिहार में हल्की सर्दी बढ़ने लगी है। सुबह-सुबह हल्की धुंध और ओस के साथ ठंड की शुरुआत हो चुकी है, जबकि दिन के समय सूरज की गर्मी अभी भी लोगों को परेशान कर रही है। मौसम विभाग के अनुसार, पूरे नवंबर महीने में सुबह और शाम हल्की ठंड का अनुभव होगा, लेकिन दिन में तापमान अपेक्षाकृत अधिक रहेगा। सर्दियों की शुरुआत हल्की ठंड के साथ हो चुकी है।

4 दिसंबर तक सामान्य बना रहेगा मौसमः मौसम विभाग के वैज्ञानिक आशीष कुमार ने बताया कि 4 दिसंबर तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। कुछ जिलों जैसे रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद और किशनगंज में न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। इसके अलावा, नवंबर महीने में बारिश की कोई संभावना नहीं है।

पश्चिमी विक्षोभः बिहार में ठंड का मौसम मुख्य रूप से पश्चिमी विक्षोभ पर निर्भर करता है। ये विक्षोभ पश्चिमी एशियाई देशों से आते हैं और स्थानीय मौसम पर ठंड का असर डालते हैं। पिछले साल दिसंबर तक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं थे, जिसके कारण सर्दी में ज्यादा ठंडक नहीं महसूस हुई थी। इस साल के मौसम वैज्ञानिकों की नजर पश्चिमी विक्षोभ पर टिकी हुई है, जो आने वाले हफ्तों में ठंड की तीव्रता तय करेगा।

बिहार में सुबह और रात के समय ठंड बढ़ जाती है, लेकिन दिन के समय तापमान सामान्य से अधिक रहता है। यह उतार-चढ़ाव धूप, हवा की गति और स्थानीय नमी पर निर्भर करता है।

ठंड कब से बढ़ेगीः मौसम विभाग का अनुमान है कि 4 दिसंबर के बाद ठंड बढ़ने लगेगी। इसके पीछे मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता है, जो इस समय बिहार की दिशा में बढ़ रहा है। जैसे ही पश्चिमी विक्षोभ पूरी तरह सक्रिय होगा, सुबह और रात की ठंड अधिक महसूस होगी और दिन का तापमान भी सामान्य से कम होगा। इस बदलाव के साथ ही राज्य में धुंध और ओस की समस्या भी बढ़ सकती है। ठंड बढ़ने के साथ वायु प्रदूषण भी एक गंभीर समस्या बन सकती है। ठंड के मौसम में हवा में नमी बढ़ जाती है और धूलकण का स्तर भी अधिक होने लगता है। आने वाले दिनों में बिहार के कई जिलों में AQI 350 से 400 के बीच रहने की संभावना है। बिहार स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठा रहा है। बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन के कार्यों को ढके बिना करने पर रोक है। सड़कों की सफाई वैक्यूम क्लीनर से की जा रही है और नियमित पानी का छिड़काव किया जा रहा है। इसके अलावा, सड़क पर बालू और गिट्टी फेंकने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। ये उपाय ठंड के मौसम में बढ़ती धूल और प्रदूषण को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। ठंड का प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। सीनियर फिजीशियन डॉ. राणा एसपी सिंह के अनुसार, ठंड के मौसम में हाइपोथर्मिया, कार्डियक अरेस्ट, ब्रेन हेमरेज, सर्दी-जुकाम और अस्थमा जैसी बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं।

ठंड का कृषि पर असरः ठंड का कृषि उत्पादन पर भी प्रभाव पड़ता है। अगर बिहार में ठंड पर्याप्त मात्रा में रहे, तो रबी की फसल अच्छी होगी। ठंड के मौसम में चना, मसूर, मक्का और तेलहन फसलों की पैदावार बढ़ती है। अभी खेतों में धान की फसल लगी हुई है। इसके बाद गेहूं और दलहन की बुवाई होगी। गेहूं की फसल के लिए ठंड आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि में चुनाव के दौरान 12 गिरफ्तार, 10 को मिली थाने से जमानत, दो भेजे गए जेल

• थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने दी जानकारी, शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने में पुलिस रही सक्रिय

बीएनएम @ हरसिद्धि: विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दौरान हरसिद्धि थाना क्षेत्र की पुलिस ने विभिन्न स्थानों से कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया था। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि इनमें से 10 लोगों को थाना स्तर पर ही जमानत प्रक्रिया पूरी कर छोड़ दिया गया, जबकि दो व्यक्तियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि जिन व्यक्तियों को जमानत दी गई है उनमें लट्टू कुमार (पिता स्वर्गीय वीरेंद्र यादव, धवहि), मिथुन कुमार (पिता अनिल पासवान, चैनपुर), विवेक कुमार (पिता जितेंद्र यादव, अहि टोली), इरशाद अंसारी (पिता सरफुद्दीन अंसारी, मटियारिया), उदय नारायण (पिता नागेंद्र, मटियारिया), चंदन कुमार (पिता सुरेश राम, मटियारिया), नागेश्वर यादव (पिता स्वर्गीय गणेश यादव, मटियारिया), दशरथ सनी (पिता कैलाश सनी, सोनबरसा), नरेश कुमार (पिता यादव लाल साहनी, कुबरा पकड़िया) और अजय साहनी (पिता इंद्रदेव सनी, धनखरैया) शामिल हैं। वहीं जेल भेजे गए दो आरोपियों की पहचान रवि राम (पिता हरेंद्र राम, जागा पकड़) और राम इकबाल चौधरी (पिता विश्वनाथ चौधरी, खोड़ी पकड़) के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि चुनाव के दौरान शांति बनाए रखने और किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस लगातार गश्त और निगरानी कर रही थी। चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी व्यक्ति को कानून- व्यवस्था भंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन ने निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए दिन-रात मेहनत की और अधिकांश क्षेत्रों में मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा।

तुरकौलिया चौक पर जाम की समस्या बनी नासूर, रोजाना राहगीर परेशान

बीएनएम @ तुरकौलिया। तुरकौलिया मुख्य चौक पर जाम की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। इस सड़क से रोजाना हजारों की संख्या में बड़ी-छोटी गाड़ियां गुजरती हैं। बुधवार को भी दिन में दो बार भयंकर जाम लग गया। पहले दोपहर 12 बजे और फिर शाम 4 बजे। जाम में एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी तक फंस गई। कुछ मिनट की दूरी तय करने में लोगों को एक घंटे से अधिक का समय लग गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह स्थिति रोज की हो गई है। स्कूल जाने वाले बच्चों से लेकर आम राहगीर तक परेशान हैं। चौक से अरेराज–मोतिहारी, छपवा–कोटवा और तुरकौलिया बाजार की सड़कों के मिलने से जाम आम बात हो गई है। लोगों का कहना है कि सड़क किनारे फैले अतिक्रमण के कारण स्थिति और बिगड़ती है। दुकानदार सड़क तक दुकानें सजाते हैं और ग्राहक वाहन सड़क पर ही खड़ी कर देते हैं। कई बार प्रशासन ने अतिक्रमण हटाया, पर कुछ दिन बाद स्थिति फिर वैसी ही हो जाती है। सीओ संतोष कुमार ने बताया कि दुकानदारों को अतिक्रमण खाली करने का नोटिस दिया गया है। तय समय में नहीं हटाने पर मापी करा कार्रवाई की जाएगी और खर्च दुकानदारों से वसूला जाएगा।

एमडीएम बंद रहने से अभिभावकों में रोष

बीएनएम @ सिरदला: विधानसभा चुनाव के कार्य समाप्त होने के बाद सिरदला प्रखंड क्षेत्र के कई विद्यालयों में बुधवार को मध्याह्न भोजन (MDM) योजना बंद रही। सूत्रों के अनुसार, उग्रवाद प्रभावित खटांगी पंचायत के कई विद्यालय, जिनमें मध्य विद्यालय मढ़ी, मध्य विद्यालय खटांगी, प्राथमिक विद्यालय सिमरा टांड, मध्य विद्यालय एकम्बा, मध्य विद्यालय बलुआ तरी, प्राथमिक विद्यालय प्रणा डाबर, और मध्य विद्यालय धीरोंध शामिल हैं, पोषाहार से वंचित रहे। एमडीएम बंद रहने के कारण बच्चों को भोजन नहीं मिल सका, जिससे अभिभावकों में प्रशासन के प्रति गहरा रोष देखा जा रहा है। इस संबंध में, एमडीएम प्रभारी उदय पासवान ने बताया कि उन्हें इसकी जानकारी मिली है और इस अनियमितता के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सिरारी थाना क्षेत्र में बाइक सवार युवक पर हमला, गंभीर रूप से घायल

बीएनएम @ शेखपुरा: शेखपुरा के सिरारी थाना क्षेत्र में बीती रात एक बाइक सवार युवक पर हथियारबंद अपराधियों ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों की मदद से घायल युवक को बेहोशी की हालत में सदर अस्पताल, शेखपुरा में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घायल युवक की पहचान लखीसराय जिले के पतला गांव निवासी राजेंद्र केवट के पुत्र रामजन्म कुमार के रूप में हुई है। यह घटना तब हुई जब वह अपने गांव से ननिहाल लौट रहा था। बचाना से रजौली जाने वाली सड़क पर (पटना से लगभग आधा किलोमीटर दूर) पाँच से छह हथियारबंद अपराधियों ने उसे घेर लिया और मारपीट की घटना को अंजाम दिया। बदमाशों ने युवक के सिर पर पिस्टल के बट से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। सिरारी थानाध्यक्ष आयुष कुमार ने बताया कि घटना के कारणों का अब तक कोई स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। उन्होंने यह भी कहा कि घायल युवक पिछले एक महीने से अपने ननिहाल में रह रहा था। पुलिस युवक के होश में आने का इंतजार कर रही है, ताकि उसका बयान दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके।

मतगणना केंद्र नालंदा कॉलेज में विधानसभा वार निर्धारित किए गए भवन

बीएनएम @ बिहारशरीफ: जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह- जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में 14 नवंबर को मतगणना कार्य के सफल आयोजन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए ।जिला निर्वाचन पदाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया की मतगणना केंद्र नालंदा कॉलेज में विधानसभा वार भवन को निर्धारित किया गया है।नालन्दा कॉलेज परिसर में मतगणना कार्य के लिए विधान सभावार अंकित मतगणना भवनों का नाम है:-1. 171- अस्थावां विधान सभा क्षेत्र मतगणना भवन का नाम -फिजिक्स ब्लॉक2. 172- बिहारशरीफ विधान सभा क्षेत्र मतगणना भवन का नाम – एग्जामिनेशन हॉल,3. 173 - राजगीर विधान सभा क्षेत्र मतगणना भवन का नाम -अमरनाथ भवन ,4. 174 - इस्लामपुर विधान सभा क्षेत्र मतगणना भवन का नाम -एम्सीए विभाग ,5. 175 - हिलसा विधान सभा क्षेत्र मतगणना भवन का नाम -एन. ब्लाक ,6. 176- नालन्दा विधान सभा क्षेत्र, मतगणना भवन का नाम - एन.ब्लाक (ग्राउंड फ्लोर),7. 177- हरनौत विधान सभा क्षेत्र,मतगणना भवन का नाम - केमेस्ट्री भवन। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि उक्त अंकित मतगणना भवनों में सभी प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी,पुलिस पदाधिकारी एवं संबंधित कर्मी अपने-अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करेंगे।विधि व्यवस्था संधारण के लिए आदेश निर्गत किए गए हैं:-मतगणना केन्द्र नालन्दा कॉलेज, बिहारशरीफ से 500 मीटर की परिधि तक पाँच या पाँच से अधिक व्यक्ति एक साथ जमा नहीं रहेंगे।2. किसी भी तरह अस्त्र-शस्त्र, हथियार, लाठी, भाला, गड़ांसा, चाकू, छूरी, बरछी, तीर-धनुष, कुल्हाड़ी, विस्फोटक पदार्थ/अग्नेयास्त्र लेकर सार्वजनिक स्थान पर विचरण नहीं करेंगे।3. मतगणना केन्द्र नालन्दा कॉलेज, बिहारशरीफ से 500 मीटर की परिधि तक विजय जुलुस निकालने पर प्रतिबंध रहेगा। 4. भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों तथा आदर्श आचार संहिता का पूर्णरूपेण अनुपालन करेंगे।सभी निर्वाची पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन के दिशा निर्देश के आलोक में मतगणना के पश्चात पोल्ड ईवीएम को सुरक्षित रखना सुनिश्चित करेंगे ।निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि मतगणना परिसर में बिना पास के कोई भी वाहन, व्यक्ति का प्रवेश निषेध रहेगा, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी इस नियम का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करेंगे ।

श्री श्री विश्व शांति राष्ट्र रक्षा महायज्ञ की भव्य शोभा कलश यात्रा निकली

» 1101 कुंवारी कन्याओं ने लिया जल, नगर में गूंजे जयकारे मनोज कुशवाहा ने फीता काटकर किया शुभारंभ

बीएनएम @ नौतन

कर्पूरी चौक स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण से बुधवार को श्री श्री विश्व शांति राष्ट्र रक्षा महायज्ञ के अवसर पर भव्य शोभा कलश यात्रा धूमधाम और धार्मिक उल्लास के साथ निकाली गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा कलश यात्रा की शुरुआत क्षेत्र संख्या 35 के जिला पार्षद मनोज कुशवाहा ने फीता काटकर की। यात्रा में 1101 कुंवारी कन्याओं ने भाग लेकर जल कलश लेकर नगर भ्रमण किया। यह जल यात्रा पंचमुखी हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः यज्ञ स्थल पर समाप्त हुई। रास्ते भर जय श्रीराम, हर हर महादेव और जय हनुमान के जयकारों से पूरा इलाका गूंज उठा महायज्ञ के संचालक स्वामी मुक्तिनाथ उर्फ अल्टर बाबा ने बताया कि यह यज्ञ राष्ट्र की रक्षा, विश्व शांति और समाज में सद्भावना व एकता के प्रसार के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब मानवता विभाजन और तनाव से गुजर रही है, ऐसे में यज्ञ और प्रार्थना का आयोजन सकारात्मक ऊर्जा और एकता का संदेश देता है महायज्ञ के आयोजक स्वामी सुरेश गिरी उर्फ हलचल बाबा ने बताया कि यह महायज्ञ कई दिनों तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन वेद पाठ, हवन, प्रवचन और भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। देश-विदेश से प्रसिद्ध संतों और प्रवचनकारों के आने की भी संभावना है कलश यात्रा के दौरान नगर के लोगों ने श्रद्धा और भक्ति भाव से कन्याओं का स्वागत किया। कई स्थानों पर जलपान और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई थी। श्रद्धालु महिलाएँ पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर इस शोभायात्रा में शामिल हुईं कार्यक्रम के अंत में स्वामी अल्टर बाबा और हलचल बाबा ने उपस्थित भक्तों का धन्यवाद ज्ञापन किया और सभी से राष्ट्र की एकता, शांति और धर्म की रक्षा के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया।

पोस्टल बैलेट के माध्यम से किये गए मतों की गणना निर्वाचन प्रक्रिया का अहम है हिस्सा- एडीएम

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन -2025 को निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के पश्चात पोस्टल बैलेट के मतों को पारदर्शी तरीके से मतगणना कार्य हेतू जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के आदेशानुसार महात्मा गांधी प्रेक्षागृह, राजा बाजार ,मोतिहारी के विशाल प्रशाल में मतगणना कार्य से जुड़े मतगणना सहायक, सुपरवाइजर एवं माइक्रो ऑब्जर्वर को गणना पूर्व प्रशिक्षण दिया गया। उक्त बातें मुकेश सिन्हा, अपर समाहर्ता ने कही। वहीं जिला प्रशिक्षण प्रबंधन कोषांग के वरीय नोडल अधिकारी सह एडीएम (जिला लोक शिकायत) शैलेंद्र भारती ने कहा कि यह चुनाव बाद किया गया सबसे महत्वपूर्ण कार्य है, जिसके माध्यम से सरकारी कार्य में संलग्न कर्मी लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। सभी कर्मियों को पोस्टल बैलट पेपर की गणना, पोस्टल बैलट के रिजेक्ट करने का आधार, डाक मत पत्र को रिजेक्ट करने का अपर्याप्त आधार, ईटीपीबीएस के प्राप्त मतों की गणना, मतगणना का प्रथम चरण, मतगणना का द्वितीय चरण, डाक मत पत्र एवं ईटीपीबीएस की गिनती पूरी होने के बाद की प्रक्रिया, मतों की गिनती, मतगणना संबंधित विभिन्न प्रकार के प्रपत्र तथा दूसरे प्रपत्रों की सीलिंग, चुनावी मतपत्र प्रपत्र जिसे सील करने की आवश्यकता है। परिणाम की घोषणा चुनाव, परिणाम का रिपोर्ट तैयार करके इस प्रकार से संबंधित विभिन्न तथ्यात्मक जानकारी प्रदान की गई। मौके पर जिला प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह जिला पंचायती राज पदाधिकारी राम जन्म पासवान, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी, वरीय मास्टर ट्रेनर नागेंद्र प्रसाद, रमेश कुमार, कमलेश कुमार सिंह, शैलेंद्र मिश्र, अरुण सिंह इत्यादि मौजूद थे।

रेल ट्रैक पर अज्ञात महिला का शव मिला

बीएनएम @ बगहा

घटना स्थल पर पहुंची पुलिस

बगहा व वाल्मीकिनगर रेलखंड के औसानी हाल्ट के समीप एक अज्ञात महिला का शव क्षत-विक्षप्त अवस्था में पाया गया। महिला का सिर और चेहरा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी है। आसपास के लोगों ने शव देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही बगहा आरपीएफ पोस्ट के प्रभारी इंद्रजीत सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को रेल ट्रैक से हटवाया। उन्होंने बताया कि महिला की उम्र लगभग 45 से 50 वर्ष के बीच प्रतीत होती है। शव की हालत देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि महिला की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई होगी।आरपीएफ के अलावा जीआरपी की टीम और स्थानीय पटखौली थाना पुलिस के भी घटनास्थल पर पहुंचने की संभावना जताई गई है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजा जा रहा है। वहीं, महिला की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आसपास के गांवों में सूचना भेजी गई है।आरपीएफ प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो पाई है। स्थानीय स्तर पर पूछताछ की जा रही है और पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि यह हादसा है या किसी अन्य कारण से मौत हुई है। घटनास्थल से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिले हैं। पुलिस ने आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है।

थरुहट क्षेत्र में महिलाओं और युवाओं की बढ़ी भागीदारी

माओवाद की धरती पर निडर हुए मतदाता, ईवीएम के बीच लोकतंत्र की गूंज

बीएनएम @ बगहा

बढ़ चढ़कर भाग लेते मतदाता

कभी माओवादी गतिविधियों के कारण दहशत और सन्नाटे की पहचान रहा बगहा पुलिस जिला का वाल्मीकिनगर, नौरंगिया, लौकरिया चिउटाहां और सेमरा थाना क्षेत्र अब नक्सलमुक्त हो गया है। यह इलाका अब विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और पश्चिमी चंपारण जिले के अन्य क्षेत्रों के साथ कदम से कदम मिला रहा है। थारू और आदिवासी बहुल यह इलाका अब खिल उठा है, जहां कभी भय का माहौल था, वहीं अब सुरक्षा और विश्वास का वातावरण दिखता है।मंगलवार को विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण में वाल्मीकिनगर विधानसभा क्षेत्र के थरुहट इलाके में लोकतंत्र के प्रति उत्साह देखने को मिला। वनवर्ती इलाकों में मतदान केंद्रों पर सुबह से ही लंबी कतारें लगीं। जहां कभी गोलियों की आवाज से सन्नाटा छा जाता था, वहां अब ईवीएम की बीच लोकतंत्र की गूंज बिखेर रही थी।बगहा दो प्रखंड के अंतर्गत आने वाले वनक्षेत्रों से सटे चंपापुर गोनौली पंचायत के मलकौली, देवरिया तरुअनवा के तरुअनवा, कुनई, भेलाही और जिमरी नौतनवा पंचायत के मतदान केंद्रों पर बड़ी संख्या में मतदाता पहुंचे। महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली। सिर पर आंचल, गोद में बच्चा और हाथ में वोटर स्लिप लिए महिलाएं मतदान केंद्रों पर सबसे आगे नजर आईं।युवाओं में भी लोकतंत्र के इस पर्व को लेकर उत्साह देखा गया। वे एक-दूसरे को मतदान के लिए प्रेरित करते रहे। प्रशासन की ओर से पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।बगहा पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज ने नक्सल प्रभावित रहे इलाकों का लगातार निरीक्षण किया और सुरक्षा बलों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पूरे दिन मतदान शांतिपूर्ण रहा। किसी भी जगह से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली।इस बार थरुहट क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत पहले की तुलना में अधिक रहा, जो इस बात का संकेत है कि कभी भयभीत रहने वाला यह क्षेत्र अब निडर होकर लोकतंत्र की मुख्यधारा में शामिल हो गया।

ताइक्वांडो खिलाड़ी कृषिका राज का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन

बीएनएम @ शेखपुरा

शेखपुरा की ताइक्वांडो खिलाड़ी कृषिका राज का चयन 69वें राष्ट्रीय विद्यालय ताइक्वांडो अंडर-19 बालिका वर्ग प्रतियोगिता के लिए बिहार राज्य टीम में हुआ है। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 15 से 19 नवंबर तक जम्मू-कश्मीर में, विशेष रूप से जम्मू यूनिवर्सिटी, भगवती नगर इंडोर हॉल में आयोजित की जाएगी। जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव और अंतर्राष्ट्रीय कोच विश्वजीत कुमार ने बताया कि कृषिका राज प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बुधवार को शेखपुरा से रवाना हो गई हैं। कृषिका अंडर-19 बालिका आयु वर्ग में ओवर 68 किलोग्राम भार वर्ग में बिहार टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी, और उनसे राज्य के लिए पदक जीतने की उम्मीद जताई जा रही है। कृषिका की इस उपलब्धि पर शेखपुरा जिला ताइक्वांडो संघ की अध्यक्ष एडवोकेट मनीषा कुमारी, कोषाध्यक्ष रमाशंकर कुमार, उपाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार और अजय कुमार जोशिया सहित ताइक्वांडो प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और विदा किया।

निर्वाचन विभाग की टीम ने स्ट्रांग रूम व मतगणना केंद्र में तैयारियों का लिया जायजा

बीएनएम @ जमुई

मतगणना केंद्र का जायजा लेते अधिकारी

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन के तहत मतदान के बाद अब मतगणना की तैयारियों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसी क्रम में मंगलवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार की विशेष टीम ने जमुई स्थित केकेएम कॉलेज परिसर में बने स्ट्रांग रूम एवं मतगणना केंद्र का विस्तृत निरीक्षण किया।टीम ने परिसर में पहुँचकर संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए और यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि मतगणना के पूर्व सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहे।टीम के सदस्यों ने स्ट्रांग रूम के चारों ओर बनाए गए सुरक्षा घेरे, प्रवेश द्वार की जांच व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली और नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली का विस्तार से अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि स्ट्रांग रूम के आसपास 24 घंटे सुरक्षा बलों की तैनाती रहे तथा किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बिजली, प्रकाश, पेयजल आदि का भी जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम तत्काल उठाने का निर्देश दिया गया, ताकि 14 नवंबर को होने वाली मतगणना के दिन किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।निरीक्षण के अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की टीम में एसीईओ बिहार अमित कुमार पांडे, एसीईओ प्रशांत कुमार सीएच, एसीईओ माधव कुमार सिंह एवं डिप्टी सीईओ रत्नाम्बर निलय सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। स्थानीय स्तर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी नवीन कुमार, पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल, उप विकास आयुक्त सुभाष चंद्र मंडल, अपर समाहर्ता रविकांत सिंहा समेत प्रशासनिक अमला भी मौके पर मौजूद रहे।

निर्वाचन विभाग की टीम ने केकेएम कॉलेज परिसर स्थित स्ट्रांग रूम व मतगणना केंद्र की तैयारियों का लिया जायजा

बीएनएम @ जमुई

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन के तहत मतदान के बाद अब मतगणना की तैयारियों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसी क्रम में मंगलवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार की विशेष टीम ने जमुई स्थित केकेएम कॉलेज परिसर में बने स्ट्रांग रूम एवं मतगणना केंद्र का विस्तृत निरीक्षण किया।टीम ने परिसर में पहुँचकर संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए और यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि मतगणना के पूर्व सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहे।टीम के सदस्यों ने स्ट्रांग रूम के चारों ओर बनाए गए सुरक्षा घेरे, प्रवेश द्वार की जांच व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली और नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली का विस्तार से अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि स्ट्रांग रूम के आसपास 24 घंटे सुरक्षा बलों की तैनाती रहे तथा किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बिजली, प्रकाश, पेयजल आदि का भी जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कदम तत्काल उठाने का निर्देश दिया गया, ताकि 14 नवंबर को होने वाली मतगणना के दिन किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।निरीक्षण के अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की टीम में एसीईओ बिहार अमित कुमार पांडे, एसीईओ प्रशांत कुमार सीएच, एसीईओ माधव कुमार सिंह एवं डिप्टी सीईओ रत्नाम्बर निलय सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। स्थानीय स्तर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी नवीन कुमार, पुलिस अधीक्षक विश्वजीत दयाल, उप विकास आयुक्त सुभाष चंद्र मंडल, अपर समाहर्ता रविकांत सिंहा समेत प्रशासनिक अमला भी मौके पर मौजूद रहे।

लोकतंत्र के महापर्व में पहली बार शामिल हुए युवा वोटरों में दिखा उत्साह

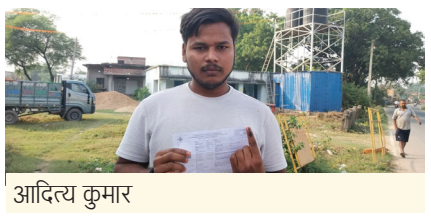
आदित्य कुमार

साहिल राज

नीतीश कुमार

सतीश कुमार

बीएनएम @जमुई

लोकतंत्र के इस महापर्व में पहली बार मत डालने वाले वोटरों में गजब का उत्साह दिखा। बालश्रमिक विद्यालय गुगुलडीह के मतदान केंद्र- 299 पर आदित्य कुमार, साहिल राज, नितीश कुमार, सतीश कुमार समेत काफी संख्या में युवा वोटरों ने मतदान किया सबके चेहरे पर पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करने की गजब की खुशी थी। सब ने कहा कि अब हम भी लोकतंत्र की भागीदार बन गए। पहली बार वोट डालने के बाद उन्होंने विकास और रोजगार के मुद्दे को ध्यान में रखकर मतदान किया।

एडवांटा हाइब्रिड धान एडीभी 8676 ने पैदावार में स्थानीय किस्मों को पछाड़ा

» गुगलडीह में सफल फसल प्रदर्शन

बीएनएम @ बरहट/जमुई

भारत की अग्रणी बहुराष्ट्रीय बीज कंपनी एडवांटा ने अपने हाइब्रिड धान की गुणवत्ता को सीधे किसानों और विक्रेताओं तक पहुँचाने के लिए एक विशेष फसल प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। यह महत्वपूर्ण आयोजन जमुई जिले के बरहट प्रखंड क्षेत्र के गुगलडीह गांव में कंपनी के चर्चित नाम 'दूध का दूध पानी का पानी' के तहत किया गया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन एडवांटा कंपनी के टेरिटरी सेल्स मैनेजर नंदन कुमार सिंह द्वारा किया गया। इसमें दो मार्केट डेवलपमेंट ऑफिसर और क्षेत्र के लगभग 40 विक्रेता बंधु उपस्थित थे, जिन्होंने कंपनी के उत्पादों की श्रेष्ठता को अपनी आँखों से देखा। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए, नंदन कुमार सिंह ने बताया कि एडवांटा पहली भारतीय बहुराष्ट्रीय बीज कंपनी है जो मुख्य रूप से हाइब्रिड बीज का व्यवसाय करती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एडवांटा पूरे भारत में खरीफ धान की सबसे अग्रणी कंपनियों में से एक है, जो किसानों को सर्वोत्तम उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए सदैव तत्पर रहती है।'दूध का दूध पानी का पानी' गतिविधि का मुख्य आकर्षण प्रदर्शन प्लॉट था, जिसे किसान विजय कुमार के खेत में तैयार किया गया था। इस प्लॉट में एडवांटा कंपनी का उच्च उपज वाला हाइब्रिड धान ADV 8676 लगाया गया था। साथ ही, तुलनात्मक अध्ययन के लिए इसी खेत में क्षेत्र की अन्य प्रचलित प्रजाति को भी बोया गया था। इस प्रत्यक्ष प्रदर्शन के माध्यम से किसानों और विक्रेताओं को यह दिखाया गया कि किस प्रकार ADV 8676 पैदावार और गुणवत्ता के मामले में स्थानीय किस्मों से बेहतर साबित होता है। इस अवसर पर प्रमोद कुमार मंडल, हरिचरण मंडल, अवधेश सिंह, सज्जन साव, सोनू कुमार, विजय वर्मा, दिलीप कुमार, रामजी रावत, सत्यनारायण मंडल, प्रेमी मंडल, विजय मैडल, शिवचरण चौहान, शिवशंकर मंडल, अर्जुन यादव, प्रदीय मंडल सहित अन्य विक्रेता मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे ट्रैक किनारे मिला युवक का शव

मृतक के शव का सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने आए पुलिस

बीएनएम @ बिहारशरीफः मानपुर थाना क्षेत्र के तियुरी गांव के पास बुधवार की सुबह रेलवे ट्रैक किनारे एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने सुबह कच्ची सड़क किनारे शव देखने के बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अनिरुद्ध शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की छानबीन शुरू की। पुलिस के अनुसार, युवक के मुंह और नाक से खून निकल रहा था, जिससे ट्रेन से गिरने या किसी हादसे की संभावना जताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने कहा है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है और अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाज़ी होगी।मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है। उसने ब्लैक पैंट, डार्क स्वेटर और सफेद गमछा पहन रखा था।थानाध्यक्ष ने बताया कि आसपास के सभी थानों को सूचना भेजी गई है और सोशल मीडिया के माध्यम से भी शव की पहचान कराने का प्रयास जारी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा। ग्रामीणों के मुताबिक, मृतक स्थानीय नहीं लगता। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है।

मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी से एकंगरसराय नगर पंचायत के नागरिक आक्रोशित

बीएनएम @ एकंगरसरायः एकंगरसराय नगर पंचायत के दुलारी बिगहा रोड क्षेत्र के निवासियों ने मूलभूत शहरी सुविधाओं की कमी को लेकर नगर पंचायत प्रशासन के प्रति गहरा रोष व्यक्त किया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वे नगर पंचायत के सभी नियमों का नियमित पालन करते हैं, लेकिन उन्हें जलापूर्ति, सफाई, सड़क निर्माण, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा जैसी आवश्यक सुविधाएँ अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। सामाजिक कार्यकर्ता अमरेंद्र कुमार दिनकर और अन्य मुहल्ले वासियों ने बताया कि उनके क्षेत्र में सार्वजनिक जल स्थानों और वर्षा जल संचयन की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके विपरीत, बारिश का पानी, मेडिकल कंपोज का अपशिष्ट और एकंगरसराय की नालियों का पानी सीधे उनके मुहल्ले में छोड़ दिया जाता है। इस जलजमाव और गंदगी के कारण टाइफाइड, कॉलरा और डेंगू जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा हमेशा बना रहता है।नागरिकों ने यह भी शिकायत की है कि घर-घर ठोस एवं द्रव अपशिष्ट संग्रहण की सुविधा नहीं है, गली-सफाई और सीवरेज लाइन का कोई प्रबंध नहीं है, और सहायक सड़कों व नालियों का अभाव है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र में एलईडी स्ट्रीट लाइटें और सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए हैं, जिसके कारण चोरी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि सीसीटीवी न सही, कम से कम मुख्य स्थानों पर प्रकाश की व्यवस्था की जाए ताकि चोरी पर अंकुश लग सके।नागरिकों ने इस बात पर घोर आपत्ति जताई है कि जब नगर पंचायत प्रशासन अपने दायित्वों का निर्वहन करने में विफल है, तो नागरिकों से होल्डिंग टैक्स वसूला जाना सरासर अन्याय है।

17 से चलेगा खसरा-रूबेला उन्मूलन अभियान

बीएनएम @ हरनौत (नालंदा) : राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक सुहर्ष भगत के निर्देश पर खसरा- रूबेला रोग के उन्मूलन के लिए विशेष टीकाकरण अभियान शुरू किया जा रहा है। यह अभियान 17 नवंबर से 2 दिसंबर 2025 तक चलेगा, जिसका उद्देश्य खसरा-रूबेला के 100 प्रतिशत टीकाकरण लक्ष्य को प्राप्त करना है।।इसको लेकर बृहस्पतिवार को कल्याण विगहा रेफ़रल अस्पताल में सभी एपीएचसी , एचडब्ल्यूसी व एचएससी की एएनएम अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के साथ बैठक कर इस अभियान की सफलता को लेकर निर्देशित किया। इस मौके पर पीएचसी के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ राजीव रंजन सिन्हा ने बैठक में मौजूद एएनएम व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को उक्त टीकाकरण अभियान को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बताया कि खसरा व रूबेला रोग के उन्मूलन के लिए आगामी 17 नवंबर से 02 दिसंबर तक विशेष मॉक-अप टीकाकरण अभियान चलाया जायेगा। इसके लिए नौ माह से 05 वर्ष तक के बच्चों का सर्वे गोनावां, लोहरा, बराह, दैली, सोराडीह,संदलपुर, चेरो, सेवदह, पाकड़ आदि स्वास्थ्य उप केन्द्र के एएनएम द्वारा बुधवार को किया गया। जिसे उक्त टीका लगाया जायेगा। टीकाकरण से वंचित रह चुके बच्चों को एमआर वन व एमआर टू से आच्छादित करना है। इस सर्वे में रीना कुमारी,मनोज कुमारी,शारदा कुमारी,रेखा कुमारी,कुमारी,रूपलक्ष्मी,प्रभा,पुष्पा, स्नेहलता, निलम,कांती,अर्चना आदि लगे थे।

17 को हरेका में अनुकंपा नियुक्ति अदालत

बीएनएम @ हरनौतः स्थानीय हरेका में आगामी 17 नवंबर को अनुकंपा नियुक्ति अदालत का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है।यह आदेश हरेका के सहायक कार्मिक अधिकारी संजीव कुमार त्रिवेदी ने पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय हाजीपुर से जारी निर्देशों के अनुपालन में जारी किया है। उन्होंने कहा है कि इसमें अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के अलावा किसी अन्य मामलों पर चर्चा न होगी।साथ ही कहा है कि अनुकम्पा नियुक्ति से संबंधित मामलों / शिकायतों को दूर करने के लिए जिसमे सेवा के दौरान मृत / चिकित्सा के सभी श्रेणीयों में अयोग्य / लापता कर्मचारियों के आश्रित को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति से संबंधित मामलों पर शिकायत दूर करने हेतु संलग्न आवेदन प्रारूप में पूरी सूचना के साथ एक लिफाफा में जिसके ऊपर 'अनुकम्पा नियुक्ति अदालत-2025 लिखा हो को हरेका में इस तरह प्रेषित करें कि 14 नवंबर तक इस कार्यालय में पहुँच जाए। क्योंकि 14 के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

मतगणना निरीक्षण डीएम–एसपी ने तैयारियों का जायजा लिया,अधिकारीयों को दिए निर्देश

मतगणना को लेकर निर्वाचित पदाधिकारी व तकनीकी टीम होंगे पूर्णतः प्रशिक्षितः डीएम

बीएनएम @ बिहारशरीफ

सुरक्षा व्यवस्था एवं भीड़ नियंत्रण को लेकर रहेगी चाक चौबंद व्यवस्थाः एसपी

मतगणना केंद्र का स्थलीय निरीक्षण करते डीएम, एसपी, नगर आयुक्त व अन्य पदाधिकारी

नालन्दा कॉलेज, बिहारशरीफ में विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की मतगणना की तैयारियों का जायजा ज़िला निर्वाचन पदाधिकारी (डीआरओ) सह-जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार और पुलिस अधीक्षक ने लिया। उन्होंने मतगणना स्थल पर मतगणना हॉल, स्ट्रॉन्ग रूम, मीडिया सेंटर और सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया और संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।डीआरओ कुंदन कुमार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति (दिनांक 06/10/2025) के अनुसार, नालन्दा जिले के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों – 171-अस्थावां, 172-बिहार शरीफ, 173-राजगीर (अ.जा.), 174-इस्लामपुर, 175-हिलसा, 176-नालंदा, और 177-हरनौत – में 06 नवंबर को हुए मतदान की मतगणना 14 नवंबर को प्रातः 08:00 बजे से नालन्दा कॉलेज बिहारशरीफ में होगी।मतगणना को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए नालन्दा कॉलेज परिसर के विभिन्न भवनों में विधानसभावार बैलेट पेपर, पोस्टल बैलेट पेपर और ETPBS की गिनती के लिए कक्ष आवंटित किए गए हैं। विधि-व्यवस्था, सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।डीआरओ ने खान-पान, पेयजल, साफ-सफाई और शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मतगणना परिणामों की एंट्री भारत निर्वाचन आयोग के ECINet (ENCORE) और NIC, बिहार द्वारा विकसित ई-काउंटिंग सॉफ्टवेयर (लिंकः https://elecon.bihar.gov.in/) पर की जाएगी। इसके लिए IT सिस्टम (कंप्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर, हाई स्पीड इंटरनेट) की व्यवस्था और तकनीकी टीम का प्रशिक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि मतगणना पूरी पारदर्शिता और आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न होगी। इस अवसर पर नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और अन्य वरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

अपहरण व दुष्कर्म के आरोपित दोषी करार,24 को सुनाई जाएगी सजा

बीएनएम @ बिहारशरीफ

नाबालिग छात्रा के अपहरण व दुष्कर्म मामले में कोर्ट ने एक आरोपित को दोषी करार दिया है। सजा का निर्धारण 24 नवंबर को होगा। बुधवार को स्थानीय व्यवहार न्यायालय के सेशन जज 4 सह विशेष पॉक्सो जज प्रकाश कुमार सिन्हा ने बिहार थाना क्षेत्र के बेगनाबाद निवासी राहुल कुमार उर्फ गोलू को दोषी पाया है। मामले में अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक जगत नारायण सिंहा ने सभी छह लोगों की गवाही कराई थी। इन्होंने बताया कि 21 फरवरी 2023 को नाबालिग छात्रा माध्यमिक परीक्षा देने नालन्दा कॉलेज गई थी। परीक्षा समाप्ति पर जब छात्रा घर नहीं लौटी तो परिजन खोजबीन करना शुरू कर दिया। इसके बाद स्थानीय थाना में छात्रा केपिता ने एफआईआर कराई। घटना के पांच दिनों बाद पीड़िता थाना पहुंची, वहां आरोपित पर अपहरण व जबरन दुष्कर्म करने की बात कही।

पुरी में 110 किसानों को मिला मसूर बीज का मिनी किट

» रबी सीजन की खेती में बढ़ेगा उत्साह

बीएनएम @ गिरियक

मुफ्त में पुरी गांव के किसानों को मसूर बीज का कीट दिया गया

रबी सीजन की शुरुआत के साथ ही किसानों में नई ऊर्जा देखने को मिल रही है। इसी क्रम में बुधवार को पुरी के 110 किसानों को एक निजी कंपनी द्वारा मसूर बीज का मिनी किट वितरित किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विस्तार केंद्र के सहयोग से आयोजित हुआ।मिनी किट में उन्नत किस्म का मसूर बीज, आवश्यक दवाइयाँ और तकनीकी जानकारी दी गई, ताकि किसान नई तकनीक के साथ बेहतर उपज ले सकें।कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि मसूर की खेती इस क्षेत्र की जलवायु के अनुकूल है और इससे मिट्टी की उर्वरता में सुधार होता है। उन्होंने किसानों को समय पर बुवाई, जैविक खाद के उपयोग और रोग नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान पप्पू कुमार ने कहा कि मसूर की फसल न केवल आर्थिक रूप से लाभदायक है, बल्कि यह भूमि की उपजाऊ शक्ति बढ़ाने में भी सहायक है। उन्होंने बताया कि पैक्स गोदाम पावापुरी में बीज वितरण किया गया और जल्द ही तीन सौ और किसानों को दलहन का मिनी किट उपलब्ध कराया जाएगा।इस अवसर पर पूर्व पैक्स अध्यक्ष अजय कुमार, अनिल उपाध्याय,उपेंद्र प्रसाद, अखिलेश कुमार, जयराम सिंह, मनोज सिंह, राजेंद्र सिंह, महेंद्र उपाध्याय, अंजय कुमार, नवीन पंडित सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।किसानों ने इस पहल को सराहनीय कदम बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से गांव के किसानों को नई तकनीक अपनाने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है।

पावापुरी नगर पंचायत के वार्ड नंबर 6 में नाली निर्माण अधूरा, दशहरा से लटका काम,आक्रोश

महीनों से अधर में लटका निर्माण कार्य, राहगीरों को हो रही परेशानी

» गुणवत्ता को लेकर हुआ था विरोध, जेई ने लगाया था रोक

बीएनएम @पावापुरी

महीनों में नाली पर छड़ बिछाकर छोड़ दिया गया है जिससे बाधित है नाली का निर्माण कार्य

नगर पंचायत पावापुरी के वार्ड नंबर 6 में नाली निर्माण कार्य की बदहाली को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। दशहरा पर्व के पहले शुरू हुआ यह कार्य अब तक अधूरा पड़ा है। नाली पर स्लैब (ढलाई) नहीं होने के कारण राहगीरों को प्रतिदिन परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय उपेंद्र प्रसाद, श्रवण सिंह, राजू, टुनटुन ने बताया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए जाने के बाद जेई द्वारा काम को रोक दिया गया था। उस समय से ही नाली पर छड़ बिछाकर संवेदक (ठेकेदार) ने काम अधूरा छोड़ दिया। अब महीनों बीत जाने के बाद भी नगर प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं की गई है।निवासियों का कहना है कि नाली खुली रहने के कारण गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है, जिससे दुर्गंध और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। साथ ही सड़क संकरी हो गई है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को आने-जाने में खतरा बना रहता है।वार्ड के लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द अधूरे कार्य को पूरा कराया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके।लोगों का कहना है कि दशहरा के पहले से अधूरा पड़ा यह कार्य अब प्रशासनिक उदासीनता का प्रतीक बन गया है।यदि संवेदक और नगर प्रशासन द्वारा शीघ्र कदम नहीं उठाया गया तो जिलाधिकारी से मिलकर इसकी शिकायत करेंगे । मुख्य बिंदुःदशहरा से पहले रुका नाली निर्माण कार्य,गुणवत्ता विवाद के बाद जेई ने लगाई थी रोक,महीनों से छड़ बिछाकर छोड़ा गया काम,लोगों को दुर्गंध, गंदगी और आवाजाही में परेशानी,प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग

क्या कहते हैं ईओ ?- लोगों के द्वारा मुझे इस कार्य की जानकारी दी गई है। संवेदक को कहकर यथाशीघ्र नाली के स्लेव का निर्माण किया जाएगा।दीपक कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, पावापुरी।

नालंदा की सातों सीटों पर मतगणना कल, 68 प्रत्याशियों की किस्मत का होगा फैसला

सुबह 8 बजे से शुरू होगी मतगणना, सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम,दोपहर तक मिल सकती हैं शुरुआती नतीजे

» कल तय होगा किसके सिर सजेगा जीत का सेहरा और किसके खेमे में छाएगी मायूसी

बीएनएम @ बिहारशरीफ

मतगणना केंद्र का निरीक्षण करते जिला निर्वाचन पदाधिकारी

नालंदा जिले की सातों विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ चुके 68 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला अब कुछ ही घंटों में होने वाला है। शुक्रवार, 14 नवंबर की सुबह आठ बजे से मतगणना की प्रक्रिया शुरू होगी। सबसे पहले डाक मतपत्रों (पोस्टल बैलेट) की गिनती होगी, जिसके बाद ईटीबीएस और अंत में ईवीएम से प्राप्त मतों की गिनती की जाएगी। जिले के राजनीतिक गलियारों और आम जनमानस में अब केवल इसी बात की चर्चा है कि इस बार विजय का ताज किसके सिर सजेगा। जिला प्रशासन ने मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।जिले की सातों विधानसभाओं में पंजीकृत कुल 22 लाख 42 हजार 839 मतदाताओं में से 13 लाख 41 हजार 376 मतदाताओं ने मतदान किया था, जिससे मतदान प्रतिशत 59.81% दर्ज किया गया। मतगणना के लिए सभी ईवीएम मशीनें नालंदा कॉलेज स्थित केंद्र के अलग-अलग हॉल में त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में सुरक्षित रखी गई हैं।मतगणना अधिकारियों के अनुसार, सुबह 10 बजे तक पहले रुझान सामने आने लगेंगे, जबकि दोपहर 12 से 1 बजे के बीच तस्वीर काफी हद तक साफ हो जाएगी। यदि सब कुछ सामान्य रहा, तो दोपहर 2 बजे तक एक-दो सीटों के अंतिम परिणाम भी घोषित किए जा सकते हैं।प्रशासन ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 14 टेबल की व्यवस्था की है। बिहारशरीफ विधानसभा में मतगणना 31-32 राउंड तक चलने की संभावना है, जो सबसे लंबा मुकाबला होगा। वहीं नालंदा विधानसभा में 27-28 राउंड, जबकि अस्थावां और राजगीर में 26-27 राउंड की गिनती होगी।पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सख्त प्रबंध किए गए हैं। प्रत्येक राउंड की रिपोर्ट सहायक रिटर्निंग ऑफिसर (एआरओ) से रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) तक जाएगी, जो मिलान के बाद इसे निर्वाचन आयोग को भेजेंगे। साथ ही हर राउंड के बाद लाउडस्पीकर से परिणाम की घोषणा की जाएगी। पूरे मतगणना केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे, मेटल डिटेक्टर और सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। आम जनता की निगाहें अब 14 नवंबर को आने वाले परिणामों पर टिकी हैं।

बिंद ई किसान भवन में बीज के लिए किसानों की भीड़, तीन दिन से काट रहे चक्कर

बीज लेने के लिए लगी भीड़

बीएनएम @ बिहारशरीफ

बिंद प्रखंड के ई किसान भवन में बुधवार को बीज लेने के लिए दर्जनों किसानों भीड़ उमड़ पड़ी। भवन परिसर खचाखच भरा रहा। किसान जमीन पर बैठकर दिन दिनभर बीज लेने के लिए इंतजार कर रहे हैं। जहाना पंचायत के छतरपुर गांव के किसानों आनंदी यादव, कृष्ण यादव, सुशीला देवी, सपना देवी और सीमा देवी ने बताया कि हमलोग तीन दिनों से बीज लेने के लिए ई किसान भवन कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं लेकिन बीज नहीं मिल रहा है। हमलोगों को समय की भी बर्बादी हो रही है अभी धान की कटाई का समय है और कार्य को छोड़कर कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं। बावजूद बीज नहीं मिल रहा है। किसानों ने कहा कि पंचायत के कृषि समन्वयक कहते हैं कि बीज खत्म हो गया है। ई किसान भवन बिंद में अनुदानित दर पर किसानों को मसूर, मटर और चना का बीज दिया जा रहा है। जिसमें मसूर का बीज के लिए 105 क्विंटल टारगेट दिया गया है, जिसमें से जिला से मात्र 30 क्विंटल बीज प्राप्त हुआ है। उजला मटर 15 क्विंटल पूरा प्राप्त है, हरा मटर 11 क्विंटल पूरा प्राप्त है और चना 64 क्विंटल प्राप्त है। बीएओ श्वेता कुमारी ने बताई कि सभी किसानों को बीज मिल रहा है। किसी को कोई समस्या नहीं है।

ईसापुर प्राथमिक विद्यालय की छत गिरी, कई छात्र घायल,एक बच्ची का हाथ टूटा

बीएनएम @ गिरियक

बीमिम्स पावापुरी में इलाज कराते छात्र छात्राएं

गिरियक थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय ईसापुर में बुधवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। पढ़ाई के दौरान अचानक कक्षा की छत का हिस्सा गिरने से आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए। हादसे में एक बच्ची का हाथ टूट गया, जबकि कई अन्य बच्चों को सिर और पैर में चोटें आईं।घटना के बाद स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। शिक्षक और ग्रामीणों ने तुरंत सभी बच्चों को निकाला और घायलों को इलाज के लिए भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान (बीमिम्स), पावापुरी भेजा, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायलों में अंकुश, सत्या, आयुषी, सोनाली, सुहानी, विक्की सहित कई बच्चे शामिल हैं।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के समय बच्चे कक्षा में थे। अचानक छत का प्लास्टर का बड़ा हिस्सा गिरने से बच्चे डरकर रोने लगे।प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार ने बताया कि विद्यालय भवन काफी पुराना और जर्जर स्थिति में है। इसकी मरम्मत की मांग कई बार विभाग से की गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।घटना की सूचना मिलते ही शिक्षा विभाग के अधिकारी और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचे और भवन का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कहा कि जांच कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।इस हादसे ने इलाके में आक्रोश और चिंता दोनों को जन्म दिया है। अभिभावकों ने मांग की है कि जर्जर स्कूल भवनों में पढ़ाई तुरंत बंद की जाए और बच्चों को सुरक्षित भवनों में स्थानांतरित किया जाए, ताकि ऐसी घटना दोबारा न हो।

पीएम श्री स्कूलों में मध्याह्न भोजन के लिए किचन डिवाइस खरीद शुरू

» 6 स्कूलों के खाते न खुलने से बाधा

बीएनएम @ बिहारशरीफ

जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय ,नालंदा

जिले के 25 हाईस्कूलों को पीएमश्री योजना में शामिल किए जाने के बाद अब मध्याह्न भोजन योजना (एमडीएम) के सुचारु संचालन के लिए किचन डिवाइस (बर्तन) की खरीद प्रक्रिया शुरू हो गई है। हालांकि, छह विद्यालयों के बैंक खाते अब तक नहीं खुल सके हैं, जिसके कारण योजना के पूर्ण क्रियान्वयन में बाधा आ रही है।

पीएमश्री स्कूलों में नई सत्र से 6वीं से 12वीं तक पढ़ाई- शैक्षणिक सत्र 2025-26 से जिले के सभी पीएमश्री स्कूलों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक की पढ़ाई प्रारंभ की गई है। विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को नियमित रूप से मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराना अनिवार्य है। इसी क्रम में विभाग ने किचन डिवाइस की खरीद के लिए विद्यालयों को राशि भेजने की तैयारी शुरू की है।

नामांकन के आधार पर चार कैटेगरी तय- एमडीएम जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अंशु कुमारी ने बताया कि विद्यालयों में नामांकित छात्रों की संख्या के आधार पर चार श्रेणियां तय की गई हैं। श्रेणी (ए) नामांकन सीमा 1–50 छात्र, राशि 12,633 रुपये, श्रेणी (बी) नामांकन सीमा 51–150 छात्र, राशि 14,954 रुपये, श्रेणी (सी) नामांकन सीमा 151–250 छात्र, राशि 16,082 रुपये, श्रेणी (डी), नामांकन सीमा 250 से अधिक छात्र, राशि 27,838 रुपये। जिले में किसी भी पीएमश्री स्कूल में 50 से कम छात्र नहीं हैं।6 विद्यालय (बी श्रेणी) को 89,725, 12 विद्यालय (सी श्रेणी) को 1,92,984, और 7 विद्यालय (डी श्रेणी) को 1,94,871 की राशि आवंटित की जा रही है।विभागीय रिपोर्ट के अनुसार जिन छह विद्यालयों के बैंक खाते अभी तक नहीं खुल सके हैं उसमे बिहारशरीफ टाउन हाईस्कूल, नेरूत हाईस्कूल, दहपर-सरगांव हाईस्कूल, बिहारशरीफ आदर्श हाईस्कूल, बेनार हाईस्कूल, गोपालबाद हाईस्कूल आदि शामिल है ।इन स्कूलों में फिलहाल मध्याह्न भोजन की व्यवस्था शुरू नहीं हो सकी है।एमडीएम डीपीओ अंशु कुमारी ने कहा कि बैंक खाते खोलने के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज संबंधित बैंकों को भेज दिए गए हैं। जल्द ही सभी विद्यालयों के खाते खुल जाएंगे। जिन स्कूलों के खाते उपलब्ध हैं, उनमें राशि भेजने की प्रक्रिया जारी है। संबंधित प्राचार्यों को विभागीय प्रावधान के तहत किचन डिवाइस खरीदने का निर्देश दिया गया है।पीएमश्री योजना का उद्देश्य पीएमश्री योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसके तहत चयनित स्कूलों को आदर्श शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित किया जा रहा है। मध्याह्न भोजन योजना इस परियोजना का अहम हिस्सा है, जो बच्चों के पोषण स्तर में सुधार और नामांकन बढ़ाने में मददगार साबित हो रही है ।

संपादकीय

वेदनशील और सबल बनो

सदाचार का तब तक पालन किए जाओ जब तक यह तुम्हारा स्वभाव न बन जाए। मित्रता, दया और ध्यान का अभ्यास जारी रखो। जब तक यह न समझ जाओ कि यह तुम्हारा स्वभाव है। जब कार्य स्वभावतः किया जाता है,तब तुम फल की लालसा नहीं रखते हो। सहजता से बस कार्य किए जाते हो। स्वभावतः किया हुआ काम न तो थकान देता है और न पुंठित करता है। दांत साफ करना, नहाना, इत्यादि दैनिक कार्य को कृत्य नहीं समझा जाता क्योंकि ये दैनिक जीवन से जुड़े क्रिया-कलाप हैं। इन सब कार्यों को तुम बिन कर्तापन के करते हो। जब सेवा तुम्हारा स्वभाव बन जाता है, तब यह कर्तापन रहित होता है। ज्ञानी अभ्यास जारी रखते हैं ताकि वे औरों के लिए उदाहरण बनें, हांलाकि उनको किसी अभ्यास की आवश्यता नहीं। जो संवेदनशील हैं, प्रायः वे कमजोर होते हैं। जो स्वयं को सबल समझते हैं, वे प्रायः असंवेदनशील होते हैं। कुछ व्यक्ति स्वयं के प्रति संवेदनशील होते हैं पर औरों के प्रति नहीं। और कुछ लोग दूसरों के प्रति संवेदनशील होते हैं, पर खुद के प्रति नहीं। जो व्यक्ति केवल अपने प्रति संवेदशील हैं, वे प्रायः औरों को दोष देते हैं। जो केवल दूसरों के प्रति संवेदनशवील होते हैं, वे स्वयं को असहाय और दीन समझते हैं। कुछ इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संवेदनशील होना ही नहीं चाहिए क्योंकि संवेदनशीलता पीड़ा लाती है। वे अपने आप को औरों से दूर रखने लगते हैं परन्तु यदि तुम संवेदनशील नहीं हो तो जीवन के अनेक सूक्ष्म अनुभवों को खो दोगे जैसे अंतर्ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम का उल्लास। यह पथ और ज्ञान तुम्हें सबल भी बनाता है और संवेदनशील भी। असंवेदनशील व्यक्ति प्रायः अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानते। और जो संवेदनशील हैं, वे अपनी ताकत को नहीं पहचानते। उनकी संवेदनशीलता ही उनकी ताकत है। संवेदनशीलता अंतर्ज्ञान है, अनुकम्पा है, प्रेम है। संवेदनशीलता आत्म-बल है। और आत्म-बल है स्थिरता, तितिक्षा (सहनशीलता), मौन, प्रतिक्रिया-विहीनता, आत्मविश्वास, निष्ठा और एक मुस्कान। संवेदनशील और सबल, दोनों बनो।

जो सबका मित्र होता है वह किसी का मित्र नहीं होता

नरेंद्र भारती

अरस्तु ने कहा था की जो सबका मित्र होता है वह किसी का मित्र नहीं होता वर्तमान परिपेक्षय में यह बात चरितार्थ हो रही है। कुछ लोग सबके साथ मित्रता रखते हैं लेकिन किसी के भी सच्चे मित्र नहीं हैं। सबको बेबकूफ बनाते हैं लेकिन ऐसा ज्यादा दिन नहीं चलता है एक दिन ऐसे लोगों का पर्दाफाश हो जाता है। ऐसे लोग गिरगिट प्रजाति के होते हैं यह इधर की बातें उधर करते हैं। ग़लतफहमीयां पैदा करते हैं। ऐसे लोग मौकापरस्त होत्ते हैं ऐसे लोगों का विश्वास नहीं करना चाहिए क्यूंकि ऐसे लोगों का कोई दिन मान नहीं होते यह अपने निजी स्वार्थ के लिए किसी की भी बलि दे सकते हैं ऐसे दोहरी मानसिकता वाले लोगों से समय रहते किनारा कर लेना चाहिए ऐसे लोग बहुत ही घातक होते हैं। यह दोस्तों में दरार डालते हैं। दोस्ती बराबर की न हो तो टूट जाती है एक विचारक ने कहा था की दोस्ती बराबर की होनी चाहिए अगर दोस्ती बराबर की न हो तो टूट जाती है। आजकल दोस्ती हैसियत देखकर की जाती है की उसका जीवन स्तर कितना ऊँचा है स्टेटस क्या है क्या जॉब करता है क्या उसके पास गाड़ी है बंगला है आलीशान मकान है यह दोस्ती का पैमाना है। ग़रीब अमीर की दोस्ती बहुत कम होती है क्यूंकि अमीर अपनी पैसे की धौंस जमाते है और गरीबों को दबाते हैं इग्नोर करते हैं और नीचा दिखाते हैं। कहते हैं सच्चे व पक्के दोस्त नसीब वालों को ही मिलते हैं आज सच्चे मित्र मिलना बहुत ही कठिन है। वास्तव में सच्चा मित्र वह होता है जो हमेशा हर दुःख सुख व मुसीबत में हमारे साथ खड़ा रहता है। सुख दुःख जीवन की धूप छावं होते हैं और जीवन में इनका आना जाना एक सतत प्रक्रिया है। जीवन मे एक ही मित्र काफ़ी होता है जो हर संकट मे कंधे से कंधा मिला कर चले और कहे दोस्त कोई बात नहीं मै हूँ न घबराओ मत अंतिम सांस तक साथ निभाउंगा। आधुनिक इंटरनेट युग में ऐसे दोस्त विलुप्त हो चुके हैं। आज मतलबी दोस्त हो गए हैं मतलब खत्म दोस्ती खत्म हो जाती है। दोस्ती निस्वार्थ होनी चाहिए स्वार्थ नहीं होना चाहिए। अक्सर देखा गया है की आज मतलबी दोस्तों की संख्या बढ़ती जा रही है ऐसे उदाहरण बहुत हैं की जो लोग कभी सच्चे दोस्त थे आज अच्छी जॉब पर लग गए तो अपने दोस्तों को भूल गए और पहचानने से इंकार करते हैं लेकिन इतिहास साक्षी है की जो अपनी औकात भूल जाते हैं वक़्त उनको तहस नहस कर देता है। नए नए दोस्त जब बन जाते हैं तो पुराने दोस्त भुला दिए जाते हैं एक शायर ने कहा था की जिंदगी में हर चीज अच्छी होती है लेकिन दोस्त पुराने ही अच्छे होते हैं जो हर परिस्थिति से वाकिफ होते हैं। नए दोस्त सिर्फ नौ दिन चलते हैं जबकि पुराने ताउम्र चलते हैं। आज कुछ लोग अमीर बन गए तो पुराने दोस्तों को अनदेखा करते हैं अपना समय भूल गए हैं। गरीब के साथ रिश्ता छुपाते हैं। गरीब का स्वाभिमान बहुत बड़ा होता है वह स्वाभिमान से जीता है किसी को इग्नोर नहीं करता दिन रात बिना स्वार्थ के तत्पर रहता है लेकिन लोग उसका आदर नहीं करते। गरीब आदमी बेईमान नहीं होता नमक से खा लेता है किसी के आगे हाथ नहीं फैलाता। भाग्य अपना अपना है कोई झोपड़ी में ख़ुश है तो महलों में भी रोता है। भाग्य किसी की बपोती नहीं होती कर्म से भाग्य को बदला जा सकता है अच्छे कर्म करते रहिए। अपना अपना भाग्य होता है जैसा कर्म करोगे वैसा ही फल मिलेगा। कर्म प्रधान होता है इसलिए कर्म करते रहिए। भाग्य किसी क़ो भी मिट्टी में मिला सकता है। भाग्य एक पल में किसी क़ो कंगाल बना दे यह किसी क़ो पता नहीं होता। दो जून की रोटी क़ो तरसने वाले आज अपना समय भूल चुके हैं। अच्छे कर्म जीवन क़ो स्वर्ग बना देते हैं और बुरे कर्म जीवन क़ो नर्क बना देते हैं। मानव क़ो अपने विवेक का प्रयोग करना चाहिए। आज कुछेक तथाकथित लोग तिगड़म करके ऐसे पदों पर विराजमान है जिसके वे काबिल नहीं है लेकिन सिफारिश के बलबूते स्थान हासिल करने वालों को एक दिन वक्त जरुर धूल चटाता है जब वह प्रतिभा के आगे नहीं टिकता एक कहावत की घर का जोगड़ा बाहर का जोगी सिद्ध आज पूरी तरह चरितार्थ हो रही है। मगर मानव को एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि मुसीबत में अपने ही काम आते है बाहर के तमाशा देखते हैं। आज अपनों को नीचे गिराया जाता है और बाहर के लोगों को उपर उठाया जाता है भेदभाव किया जाता है प्रतिभा को दबाया जाता है और चंद स्वार्थों के लिए बाहर के लोगों को फायदा पहुंचाया जाता है ।आज कितने ही प्रतिभावान लोग है जिन्हे दरकिनार करके अयोग्य लोगों को मौका दिया जाता है। अनुभवहीन लोग आज इतने बड़े बन जाते है कि दूसरों को पाठ पढ़ाने लगते है कि कौन काम सही है और कौन गलत मगर सच्चाई सौ परदे फाड़ कर बाहर आती है तब ऐसे लोग खाक में मिल जाते है यह वक्त का कैसा तकाजा है कि आज सच्चे व इरादों के पक्के लोगों को मुख्यधारा से बाहर किया जा रहा हैं । मगर वक्त एक ऐसा तराजू है जिसके एक पलड़े में जिन्दगी और दूसरे पलड़े में मौत होती है जीवन और मृत्यु में सिर्फ सांसों का फासला है।जब इन्सान जिन्दा होता है तो कोई उसका हाल तक नहीं पूछता लेकिन जब संसार से रुखस्त हो जाता है तो हर आदमी मातम में शामिल होने में अपनी शान समझतें है। जिन्होने जब जिन्दा था तो बात तक नहीं की होंगी। जब जीता है तो एक जोड़ी कपड़ा तक नसीब नहीं होता मगर जब उसके किसी काम का नहीं होता उसके मृत शरीर पर सैंकड़ों चादरें डाली जाती है।जीते जी जिसे घी नहीं मिलता जलाती बार मुहं में शुद्व देशी घी की आहुती दी जाती है जो व्यर्थ है।कहने का तात्पर्य यह है कि मानव की जीते जी सहायता कि जाए तो वही सच्ची मानवता कहलाएगी। आत्मकेन्द्रित लोग बहुत ही घातक होते हैं बस अपना काम हो जाए दुनिया भाड़ में जाए।समाज में ऐसे लोग किसी क़े नहीं होते है।आज भूखी जुएं अपनी औकात भूलकर ऐसे इतराती है कि जैसे खानदानी रईस हो पर वक्त के पास हर आदमी का लेखा-जोखा है कि कौन रईस था और कौन दाने-दाने को मोहताज था। किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए हर आदमी से समानता का व्यवहार करना चाहिए।कभी भी भेदभाव नहीं करना चाहिए।वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मर्यादा में रहकर ही हर काम करना चाहिए।आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए।किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए।क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है। गरीब आदमी को कभी नहीं सताना चाहिए अगर गरीब की बददुआ लग जाए तो बड़े से बड़ा धराशायी हो जाता है इसलिए हर मानव को हमेशा मानव के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए।मानव को ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी उसे सदियों तक एक अच्छे इन्सान के रुप में हमेशा याद किया जा सके। भूखे को रोटी और प्यासे को पानी पिलाना चाहिए।आज का मानव पैसों से बैंक के खातों को तो भर रहा है मगर उपर का खाता खाली है इसलिए प्रत्येक साधन-संपन्न मानव को लाचार व गरीब लोोगों को दान पुण्य करना चाहिए। मानव को एकजुट होकर हर मानव का काम करना चाहिए, कहते है कि एकता में बड़ा बल होता है।प्रत्येक मानव को पता है कि एक दिन सबको मौत आनी है तो फिर मानव क्यों नहीं समझ रहा है।मानव जब कोई चीज बनाता है तो वह उसकी गांरटी तय करता है मगर उसकी अपनी कोई गांरटी नहीं है कि कब प्राण निकल जाएं।रात दिन अवैध तरीकों से जायदाद जोड़ रहा है मगर किसके लिए आज तक कोई उठा कर नहीं लेकर गया तो फिर यह मोह माया क्यों है।मानव को नीच कर्मो को छोड़ देना चाहिए अच्छे कर्म करने चाहिए।प्रतिभा किसी की मोहताज़ नहीं होती प्रतिभा कभी झुकने नहीं देती। प्रतिभायें शिखर पर जरूर पहुंचाती है। कहते है कि हाथ से छिना जा सकता है मगर भाग्य को नहीं छिना जा सकता। जो भाग्य में है वह जरुर मिलेगा। देर जरुर है मगर सच ही पुरस्कृत होता है। सच्चाई के रास्ते पर चलते रहिए सच्चाई की हमेशा जीत होती है। सच कभी नहीं हारता। सच्चा मित्र वही होता है जो कभी भेदभाव नहीं करता मित्र गलत भी हो तब भी साथ नहीं छोड़ता।

विचारकों को जो चीज़ आज स्पष्ट दीखती है दुनिया उस पर कल अमल करती है।

- विनोबा भावे

आत्मविश्वास सरीखा दूसरा कोई मित्र नहीं। यही हमारी उन्नति में सबसे बड़ा सहयक होता है। - स्वामी विवेकानंद

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, मार्ग शीर्ष कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथि नवमी, गुरुवासरे, मघा नक्षत्र, वृण योगे, तैतिल करणे, सिंह की चंद्रमा, मूल समाप्त रात्रि 12/14 तथा रिक्तादोष तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, शिक्षक-शिक्षाविद, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपाल, संत-योगी, महात्मा तथा मठ निर्माणकर्ता, ज्ञानी-ध्यानी, योगी पुरुष होगा।

मेष राशि :- व्यवसायिक स्थिति में सुधार, किसी शुभ समाचार से हर्ष अवश्य ही होगा।

वृष राशि :- व्यवसायिक गति अनुकूल हो, कुटुम्ब के कार्यों में समय बीतेगा, परेशानी से बचें।

मिथुन राशि :- दैनिक समृद्धि के साधन जुटायें, अधिकारियों का समर्थन फलप्रद अवश्य होगा।

कर्क राशि :- सफलता के साधन जुटायें, अधिकारियों का समर्थन फलप्रद अवश्य ही होगा।

सिंह राशि :- आर्थिक समस्यायें सुलझें, भोग-ऐश्वर्य में समय बीतेगा, ध्यान दें।

कन्या राशि :- समय और सामर्थ विफल होगा, अर्थ-व्यवस्था में बाधा अवश्य ही होगी।

तुला राशि :- क्रोध से हानि की संभावना तथा व्यवसायिक क्षमता अनुकूल होगी।

वृश्चिक राशि :- लोगों से मेल-मिलाप, स्त्री-वर्ग से ऐश्वर्य की प्राप्ति, मित्रों से सुख होगा।

धनु राशि :- दैनिक कार्यगति में सुधार, इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे तथा हर्ष होगा।

मकर राशि :- समृद्धि के साधन फलप्रद होंगे तथा धन का व्यर्थ व्यय होगा ध्यान रखें।

कुंभ राशि :- अनावश्यक विवाद से बचिये, समय पर अपना कार्य निपटा लें, ध्यान दें।

मीन राशि :- कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगी, दैनिक कार्य में अनुकूलता अवश्य ही बनेगी।

इज्तिमाः भोपाल से देंगे अमनो-चैन का पैगाम

मुस्ताअली बोहरा

दुनिया के सबसे बड़े तीन आलमी तबलीगी इज्तिमें तीन मुल्कों में होते हैं। इनमें पहला भारत, दूसरा पाकिस्तान और तीसरा बांग्लादेश है। धीरे-धीरे कर तबलीगी जमाअत की ये मुहिम दुनिया के दिगर देशों में भी फैलते गई। पाकिस्तान में लाहौर के करीब रायविंड में सालाना इज्तिमे का आयोजन होता है। इसमें दुनिया भर के तब्लीगी जमात से जुड़े करीब 5 से 7 लाख लोग शामिल होते हैं। बांग्लादेश के कई अलग-अलग शहरों में कई दिनों तक इज्तिमा जारी रहता है। बांग्लादेश के टोंगी में होने वाला इज्तेमा सबसे बड़ा माना जाता है। यहां दुनियाभर के 4 से 5 करोड़ लोग पहुंचते हैं। हिन्दुस्तान में आलमी (विश्वस्तरीय) तौर पर इज्तिमा सिर्फ भोपाल में ही होता है। भारत के दिल कहे जाने वाले भोपाल में हर साल होने वाले इज्तिमा में दुनियाभर जायरीन आते हैं। यहां करीब 10 से 14 लाख लोग शिरकत करते हैं। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में होने वाले इज्तिमा को दुनिया के पांच बड़े इस्लामिक आयोजनों में से एक, दुनिया में सबसे बड़ा और सबसे पुराना माना जाता है। हिंदुस्तान में भोपाल के अलावा ये बुलन्दशहर, दिल्ली, हल्द्वानी, लाखोटा, चेन्नई, कोलकाता, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु, कोयंबटूर, सूरत, राजकोट, कालीकट, तिरुवनंतपुरम, नागपुर, गया, ग्वालियर, मुजफ्फरपुर, नासिक में भी इज्तिमें का आयोजन किया जाता है लेकिन यहां जायरीनों की तादाद इतनी ज्यादा नहीं होती जितनी की भोपाल में। औरंगाबाद और यूपी के संभल में इसी तरह के प्रोग्राम का आयोजन हो चुका है। इस्लामी संगठन तब्लीगी जमात अपने अनुयायियों, समर्थक मुसलमानों के सहयोग से इज्तिमा आयोजित करता है। अरबी लफ्ज इज्तिमा के मायने है इकठ्ठा होना। तब्लीगी इज्तिमा एक तरह का मजहबी जलसा है। ये इज्तिमा जिला, प्रदेश-देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर के हो सकते हैं। आलमी तब्लिगी इज्तिमा का शाब्दिक अर्थ विश्वस्तरीय धार्मिक सम्मेलन होता है। एक खास जगह पर इकट्ठा होकर इबादत करना, अमनो-चैन का पैगाम देना और खैरो-बरकत की दुआ करना, दीन के बताए रास्ते परचलना, सभी मजहबों का सम्मान करना, गुनाहों की माफी माँगना और दीनी बातें करना इज्तिमा का हिस्सा है। इज्तिमें में इस्लामिक तौर-तरीके सीखने और सिखाने वाले दोनों ही पहुंचते हैं। दुनिया भर से पहुंचने वाले उलेमा तकरीर, बयानों के जरिए कुरान में बताए गए तरीकों से जिन्दगी गुजारने का सलीका बताते हैं। इस्लामिक विद्वानों का मानना है कि इज्तिमा सदियों पुरानी परंपरा है। ये सिलसिला हजरत आदम के जमाने से चलन में है। कुरान पाक की तिलावत, हर किसी के लिए नेक ख्यालात, नमाज की पाबंदी और पैगंबर हजरत मुहम्मद सअस के अखलाक, आर्दशों और उनके दिखाए रास्तों पर चलकर दुनिया के साथ ही आखिरत में कामयाबी हासिल करना इन्हीं तरह की मंशाओं के साथ इज्तिमा में संदेश दिया जाता है। इज्तिमें या मजहबी जलसे की ये खासियत होती है कि यहां लाखों मुसलमान जमा होते हैं, दुनियावी भीड़ की तरह लेकिन उन्हें दुनिया की बातों से कोई सरोकार नहीं होता। दुनिया में रहकर दीन की बातें करना ही इज्तिमें का मूल मकसद है। इज्तिमे में उलेमा बताते हैं कि दीन के रास्ते पर बेहरतर ढंग से कैसे चला जा सकता है। इज्तिमें के दौरान तकरीर, बयान, नमाज और सामूहिक निकाह होते हैं। दुनिया भर में अमनो-चैन, सुख-समृद्धि, देश की तरक्की, सामाजिक सद्भाव की दुआ के साथ इज्तिमें का समापन होता है। इज्तिमे में शामिल होने वाले जायरीनों की आमद से लेकर उनके ठहरने, भोजन, नमाज और रवानगी तक सारी व्यवस्थाओं का माकूल इंतेजाम होता है। इज्तमिे में एलोपेथी दवाखाने के साथ ही आयुर्वेद और यूनानी दवाखानों यहां तक की बाइक एंबुलेंस सेवा की व्यवस्था भी की जाती है। मोटरसाइकिल पर स्ट्रेचर और फर्स्ट एड बॉक्स लगाए जाते हैं। बीमार लोगों को इमरजेंसी में इज्तिमा पंडालों से एंबुलेंस तक पहुंचाने के लिए बाइक एंबुलेंस की पहल की गई है। इज्तिमा स्थल पर आने वाली जमातों के लिए तंबू लगाए जाते हैं। वाहनों की पार्किंग के लिए अलग से इंतजाम होता है। भोपाल में होने वाला इज्तिमा हमेशा से गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल रहा है।

भागवत की नई दृष्टि और समरस भारत की परिकल्पना

ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रायः हिंदूवादी संगठन के रूप में देखा जाता रहा है, परंतु वस्तुतः वह केवल एक धार्मिक या सांप्रदायिक संगठन नहीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीयता की जीवंत चेतना का प्रतीक है। संघ की मूल प्रेरणा "वसुधैव कुटुम्बकम्" के भाव से उपजी है, जो भारत की सनातन संस्कृति की आत्मा है। इसी दृष्टि का विस्तार संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के हालिया बेंगलुरु वक्तव्य में परिलक्षित हुआ, जब उन्होंने खुले हृदय से कहा कि "ईसाई और मुसलमान भी संघ में शामिल हो सकते हैं"। यह कथन न केवल साहसिक है बल्कि यह नए भारत, विकसित भारत और संतुलित भारत की सोच का परिचायक भी है। संघ में मुस्लिम, ईसाई समेत किसी भी संप्रदाय के लोगों के स्वागत की भागवत के वक्तव्य की व्यापक चर्चा होना स्वाभाविक है। लेकिन यह वक्तव्य संघ की व्यापक सोच का भी परिचायक है और उसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। मोहन भागवत का यह वक्तव्य संघ की विचारधारा में निहित उस भारतीय दर्शन की पुनः पुष्टि करता है जिसमें धर्म का अर्थ संप्रदाय नहीं बल्कि जीवन-मूल्यों का समुच्चय है। संघ के लिए हिंदुत्व किसी धर्म विशेष का नाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की वह पद्धति है जिसमें समरसता, सह-अस्तित्व, करुणा और राष्ट्रनिष्ठा के तत्व समाहित हैं। यही कारण है कि संघ की दृष्टि में "हिंदुत्व" का अर्थ भारतीयता है अर्थात् भारत की संस्कृति, परंपरा, इतिहास, संवेदना और जीवनशैली से आत्मीय जुड़ाव। ऐसा नहीं है कि इसके पहले संघ में विभिन्न संप्रदायों के लोगों को आने की अनुमति नहीं थी, यह अनुमति पहले से है और सच तो यह है कि उसके कार्यक्रमों में विभिन्न संप्रदायों के लोग आते भी रहे हैं। इनमें मुस्लिम और ईसाई भी हैं। इस सबके बाद भी धारणा यह भी है कि संघ के कार्यक्रमों में केवल हिंदू संप्रदाय के लोग शामिल होते हैं। इस धारणा का कारण यह है कि हिंदू संप्रदाय को लेकर संघ की अपनी विशिष्ट धारणा और परिभाषा है। उसके अनुसार देश में रहने वाले सभी लोग हिंदू ही हैं, भले ही उनका संप्रदाय और उनकी उपासना पद्धति कुछ भी हो। संघ की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया गया है कि चूंकि इस देश में रहने वाले समस्त लोगों के पूर्वज हिंदू ही थे, इसलिए वह सभी को हिंदू के रूप में देखता, मानता और संबोधित करता है। आखिर इस अवधारणा में कठिनाई क्या है? संघ के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी गोलवलकर ने कहा था, "हिंदुत्व केवल धर्म नहीं, वह संस्कृति है, जीवन का एक दृष्टिकोण है।" इसी सूत्र को आगे बढ़ाते हुए मोहन भागवत स्पष्ट करते हैं कि हिंदुत्व किसी जाति, भाषा, मज़हब या सीमित परंपरा का नाम नहीं है। संघ यह मानता है कि भारत में रहने वाले सभी लोग, चाहे वे किसी भी पंथ या विश्वास से जुड़े हों, इस धरती के सांस्कृतिक उत्तराधिकारी हैं। इसीलिए वे भारतीय हैं और इस दृष्टि से "हिंदू" अर्थात् इस भूमि की सभ्यता के उत्तराधिकारी। संघ की दृष्टि में "हिंदू" शब्द धार्मिक पहचान से अधिक सांस्कृतिक अवधारणा है। यह भारतीय जीवन का पर्याय है, जो समानता, सहिष्णुता और एकात्मता में विश्वास करता है। यही भाव "सर्वे भवन्तु सुखिनः" और "एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति" जैसे मंत्रों में प्रतिध्वनित होता है। आज की राजनीति में समाज को जाति, धर्म और भाषा के आधार पर बाँटने का जो विषवमन चल रहा है, उससे राष्ट्र की एकात्मता को गहरी चोट पहुँच रही है। संघ का उद्देश्य इस विभाजनकारी मानसिकता के प्रतिरोध में खड़ा होना है। मोहन भागवत का यह वक्तव्य इसी विषहरण की प्रक्रिया का हिस्सा है, एक ऐसी पुकार जो समाज के हर वर्ग को यह विश्वास दिलाती है कि राष्ट्र की आत्मा किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान में नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक चेतना में निहित है। संघ के लिए राष्ट्र ही सर्वोच्च देवता है। इस राष्ट्रभक्ति के केंद्र में धर्मनिरपेक्षता नहीं बल्कि धर्मसम्मतता है अर्थात् ऐसी आस्था जो सभी मतों का सम्मान करती है। इसी भाव से प्रेरित होकर संघ अपने कार्यकर्ताओं को "हिंदू समाज की सेवा के माध्यम से समग्र भारतीय समाज की एकता" का लक्ष्य देता है।

भागवत का यह संदेश उस भारत की परिकल्पना करता है जिसमें मतभेद तो हो सकते हैं, पर मनभेद नहीं। वे मानते हैं कि "जो भी इस भूमि में जन्मा है, उसका पूर्वज कोई न कोई हिंदू ही रहा है।" यह कथन ऐतिहासिक नहीं, सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह इस तथ्य की ओर संकेत करता है कि भारत की सभ्यता का मूल एक ही रहा है, जिसने विविध रूपों में विकसित होकर अनेक धर्मों और संप्रदायों को जन्म दिया। इस संदर्भ में भागवत का दृष्टिकोण गांधीजी की उस संकल्पना से मेल खाता है जिसमें उन्होंने कहा था- "मेरा हिंदुत्व सबको समेटने वाला है, किसी को बाहर करने वाला नहीं।" यही समावेशी भाव राष्ट्र की एकता का आधार बन सकता है। यदि संघ इस पर बल देता है कि उसका उद्देश्य हिंदुओं को संगठित करना है तो इसका अर्थ यही भी है कि वह सभी भारतीयों को संगठित करके एक सशक्त राष्ट्र की परिकज्पना करता है। कठिनाई यह है कि उसके विरोधी यह प्रचारित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते कि वह तो केवल हिंदू समाज का संगठन है। चूंकि यह दुष्प्रचार बड़े पैमाने पर हो रहा है, इसलिए आवश्यक हो जाता है कि संघ के स्तर एवं अन्य स्तरों पर इन देश तोड़क स्थितियों एवं दुष्प्रचार का स्पष्टीकरण होता रहे। संघ को लेकर फैलायी जा रही यह भ्रांति एवं गुमराह पूर्ण स्थितियों का खुलासा होना जरूरी है कि संघ संप्रदाय विशेष के लोगों को एकजुट करने का कार्य कर रहा है। यदि यह मिथ्या धारणा दूर हो सके तो संघ का कार्य और अधिक आसान एवं सृजनात्मक हो जाएगा, लेकिन यह मानकर चला जाना चाहिए कि संघ के विरोधी उसके बारे में दुष्प्रचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी है। जो भी हो, संघ प्रमुख ने यह कहकर एक तरह से अपने विरोधियों और आलोचकों की ओर मित्रता का हाथ बढ़ाया है कि उसके कार्यक्रमों में सभी संप्रदायों के लोग आ सकते हैं, लेकिन केवल भारत माता के पुत्र के रूप में। उनकी इस पहल का सकारात्मक उत्तर दिया जाना चाहिए, उसका व्यापक स्तर पर स्वागत भी होना चाहिए। लेकिन बड़ी विडंबना यह है कि कुछ लोग भारत को माता के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं। क्या यह किसी से छिपा है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से भारत माता की जय कहने से बचा जाता है? पिछले दिनों इसी संकीर्ण दृष्टि के कारण वंदे मातरम् के विरोध में स्वर सुनाई दिए। इक्कीसवीं सदी का भारत केवल आर्थिक या तकनीकी महाशक्ति नहीं बनेगा, यदि उसके भीतर मानसिक और सांस्कृतिक एकता का सूत्र न हो। संघ इसी सूत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। **(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)**

किशोरों को सर्वाइकल कैंसर व सड़क दुर्घटनाओं से बचाने की एक सार्थक पहल!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

दुनिया के 180 देशों की मुश्किलों जगहों में वंचित बच्चों तक पहुंच बनाने और काम करने को समर्पित यूनिसेफ ने किशोरों को सर्वाइकल कैंसर व सड़क दुर्घटनाओं से बचाने हेतु जागृति हेतु नई पहल शुरू की है।

किशोर स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों पर मीडिया की भूमिका को सशक्त बनाने के उद्देश्य यूनिसेफ इंडिया द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ट्रेनर्स ऑफ ट्रेनर्स वर्कशॉप' हाल ही में नई दिल्ली में संपन्न हुई है। वर्कशॉप के उद्घाटन सत्र में यूनिसेफ इंडिया की कम्युनिकेशन प्रमुख जाफरिन चौधरी ने कहा, 'युवा उन स्वास्थ्य मुद्दों पर सटीक जानकारी पाने के हकदार हैं, जो उन्हें और समाज को प्रभावित करते हैं। यह तभी संभव है जब वैज्ञानिक और चिकित्सीय जानकारी को मीडिया के जरिए सटीक और जिम्मेदारी से लोगों तक पहुंचाया जाए। गलत जानकारी से लड़ने का सबसे अच्छा तरीका यही है। हमें सीखना, विश्लेषण करना और समझना होगा कि कैसे तकनीकी जानकारी को प्रस्तुत किया जाए ताकि लोग उसे समझें और उस पर भरोसा करें ।

उनका मानना था कि ' सर्वाइकल कैंसर, सड़क सुरक्षा और ऐसे कई अन्य मुद्दों पर जागरूकता को पत्रकारों में क्रिटिकल अप्रेजल स्किल्स' यानी तथ्यों की गहराई से जांचने की क्षमता के माध्यम से और बेहतर तरीके से समझाया व प्रसारित किया जा सकता है। वरिष्ठ संपादकों के मार्गदर्शन में इस दिशा में यूनिसेफ पिछले एक दशक से प्रयासरत है।

यूनिसेफ इंडिया कंट्री ऑफिस के स्वास्थ्य प्रमुख (कार्यकारी) डॉ. विवेक वीरेंद्र सिंह ने कहा, 'सर्वाइकल कैंसर ऐसा एकमात्र कैंसर है जिसे वैक्सीन से रोका जा सकता है। जागरूकता इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। मीडिया समाज में व्याप्त झिझक और गलत धारणाओं को तोड़ने में अहम भूमिका निभा सकता है। अगर मीडिया इस विषय को वर्जित मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक साझा सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत करे तो महिलाएं समय पर मदद ले सकेंगी। हर सटीक और संवेदनशील खबर हमें उस भविष्य के और करीब ले जाती है, जहां कोई भी महिला एक रोकी जा सकने वाली बीमारी से अपनी जान न गंवाए।"

डॉ.विवेक वीरेंद्र सिंह ने कहा, 'हर दुर्घटना रोकी जा सकती है और मीडिया सड़क सुरक्षा को एक साझा सामाजिक और शासन के मुद्दे के रूप में फिर से परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जिसके लिए त्रासदी के बाद की सहानुभूति के बजाय डेटा-आधारित जवाबदेही की आवश्यकता है। अगर मीडिया, नीति निर्माताओं और नागरिक डेटा प्लेटफॉर्म के बीच मजबूत तालमेल बना सके, तो सड़क सुरक्षा से जुड़ी खबरें रोकथाम, कानून के पालन और समानता पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगी'

स्वास्थ्य विषयों में संपादकों की रणनीतिक भागीदारी के लिए कार्यशाला कार्यशाला का विषय 'उभरती किशोर स्वास्थ्य चुनौतियां – सर्वाइकल कैंसर और सड़क सुरक्षा आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि देश में साल 2022 में देश में सर्वाइकल कैंसर के लगभग 79,103 नए मामले दर्ज किए गए और 34,805 महिलाओं की इस बीमारी से मृत्यु हुई — जबकि यह एक ऐसी बीमारी है जिसे रोका जा सकता है। वहीं दूसरी ओर सड़क सुरक्षा पर एक विशेष सत्र में बताया गया कि भारत में हर साल 150,000 से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं, जिसमें बच्चे और युवा सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। वर्कशॉप में किशोर स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों, खासतौर पर सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मीडिया से अपनी भूमिका को और मजबूत करने का आह्वान किया गया।

वर्कशॉप में वरिष्ठ स्वास्थ्य संपादकों के साथ क्रिटिकल अप्रेजल स्किल्स' यानी तथ्यों पर आधारित रिपोर्टिंग और रणनीतिक तरीके से स्टोरी पेश करने की तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की गई।इसका मकसद था किशोरों के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर अधिक प्रभावी और जिम्मेदार पत्रकारिता को बढ़ावा दिया जा सके। इस वर्कशॉप में पूरे भारत से वरिष्ठ संपादक, स्वास्थ्य पत्रकार, मीडिया एजुकेटर और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ एक साथ आए। इसका उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर और सड़क सुरक्षा पर तथ्यों पर आधारित, निरंतर और मानव-केंद्रित रिपोर्टिंग को मजबूत करना था । निस्संदेह, ये भारत की दो सबसे गंभीर, लेकिन कम रिपोर्ट की जाने वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियां हैं। प्रतिभागियों ने न्यूजरूम के भीतर की व्यवस्थागत बाधाओं की जांच की, गलत सूचनाओं का मुकाबला करने में मीडिया की भूमिका पर चर्चा की और साथ ही सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़ों को लोगों की असली जिंदगी की कहानियों से जोड़ने के लिए रणनीतियां भी तैयार की। यूनीसेफ की कम्युनिकेशन्स आफिसर सोनिया सरकार ने बताया कि एम्स के प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पल्लवी शुक्ला; निमहंस के डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के प्रमुख डॉ. गौतम एम. सुकुमार और मध्य प्रदेश में यूनिसेफ के चीफ ऑफ फील्ड ऑफिसर अनिल गुलाटी ने भी वर्कशॉप में भाग लेने वाले संपादकों को संबोधित किया। उल्लेखनीय है कि प्रतिभागियों ने छह संपादकीय समूहों में काम किया ताकि किशोरियों के स्वास्थ्य, खासकर सर्वाइकल कैंसर और सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की बेहतर कवरेज के लिए न्यूजरूम की रणनीतियां तैयार की जा सकें। संपादकों ने यह भी पता लगाया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स डेटा विश्लेषण, शोध अनुवाद और तथ्यों पर आधारित रिपोर्टिंग में कैसे मदद कर सकते हैं। साथ ही वैज्ञानिक शोध को क्षेत्रीय और भाषाई मीडिया के लिए सुलभ बनाने के तरीकों पर भी चर्चा की गई।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है रोहित के नाम

एजेंसी, कोलकाता

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुरुवार से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में दोनो ही टीमों की नजरें जीत दर्ज करने पर रहेंगी। अभी तक के रिकार्ड को देखें तो दोनो के बीच कुल 44 मैच खेले गए हैं जिसमें अब तक सबसे अधिक 500 रनों का रिकार्ड रोहित शर्मा का है, अब देखना है कि इस सीरीज में कौन रोहित के रिकार्ड को तोड़ पाता है। रोहित ने साल 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई घरेलू सीरीज में ये रिकार्ड बनाया था। इस पूरी सीरीज में रोहित ने तीन मुकाबलों की चार पारियों में 132.25 के औसत से 529 रन बनाए थे। इस सीरीज में रोहित ने चार पारियों में 3 शतक लगाए थे। सीरीज का पहला मैच विशाखापत्तनम में खेला गया था। जिसमें रोहित ने पहली पारी में 244 गेंदों पर 6

छक्कों और 23 चौकों के साथ 176 रन बनाए। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 149 गेंदों में 127 रन बनाए। अगला मुकाबला पुणे में खेला गया, जिसमें रोहित ने 35 गेंदों में 1 चौके के साथ 14 रन बनाए। कप्तान विराट कोहली 254 और मयंक अग्रवाल 108 की शानदार पारियों से भारतीय टीम ने ये मुकाबला जीता था।सीरीज का तीसरा मुकाबला रांची में खेला गया। इस मुकाबले में रोहित ने पहली पारी में बतौर सलामी बल्लेबाज 212 रन बनाए थे। इस मैच को भारतीय टीम ने पारी और 202 रन से जीतकर सीरीज अपने नाम की थी। रोहित ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है अब देखना है कि कौन सा खिलाड़ी सबसे अधिक रनों का उनका रिकार्ड तोड़ पाता है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 होगा मेरा आखिरी वर्ल्ड कपः क्रिस्टियानो रोनाल्डो

एजेंसी, रियाद

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने मंगलवार को यह स्पष्ट कर दिया कि आने वाला फीफा विश्व कप 2026 उनका आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उन्होंने कहा कि अब उनका शानदार करियर अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ रहा है। 40 वर्षीय रोनाल्डो, जिन्होंने क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 950 से अधिक गोल किए हैं, ने यह भी बताया कि वे "एक या दो साल में फुटबॉल से संन्यास" लेने की योजना बना रहे हैं। सऊदी अरब में आयोजित एक फोरम में वीडियो लिंक के जरिए बातचीत के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या 2026 विश्व कप उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा, तो उन्होंने कहा, "डिफिनिटली, हां। मैं तब 41

साल का हो जाऊंगा और मुझे लगता है कि यही सही समय होगा।" रोनाल्डो फिलहाल सऊदी अरब के क्लब अल-नास्र के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने 2023 में इस क्लब से जुड़ने के बाद कहा था कि वे "जल्द" रिटायर होंगे। इस पर उन्होंने अब स्पष्ट किया, "सच कहूं तो जब मैंने 'जल्द' कहा था, मेरा मतलब था एक या दो साल के अंदर। मैं अभी भी खेल में रहूंगा, लेकिन ज़्यादा समय नहीं।" पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता रोनाल्डो अब 2026 में अपना छठा

विश्व कप खेलने का लक्ष्य रखे हुए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2006 विश्व कप में रहा था, जब पुर्तगाल सेमीफाइनल में फ्रांस से हार गया था। फिलहाल पुर्तगाल ने 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं किया है, लेकिन आयरलैंड के खिलाफ गुरुवार को जीत हासिल कर वह अपनी जगह पक्की कर सकता है। गौरतलब है कि रोनाल्डो ने 2022 में मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़कर अल-नास्र का रुख किया था, जिसके बाद कई अन्य सितारे भी सऊदी क्लबों से जुड़ने लगे। सऊदी अरब, जो हाल के वर्षों में खेल और मनोरंजन में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहा है, को 2034 विश्व कप की मेजबानी का अधिकार भी मिल चुका है।

जापान मास्टर्स 2025: लक्ष्य सेन दूसरे दौर में पहुंचे, किरण जॉर्ज बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

कुमामोटो सिटी (जापान) में बुधवार को खेले जा रहे जापान मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट (बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500) में भारत के लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने स्थानीय खिलाड़ी और विश्व नंबर 26 कोकी वतानाबे को सीधे गेमों में 21-12, 21-16 से मात दी। यह मुकाबला मात्र 39 मिनट चला। अब दूसरे दौर में लक्ष्य का सामना कनाडा के विक्टर लाई या सिंगापुर के जिया हेंग जैसन तेह से होगा। दूसरी ओर, भारत के किरण जॉर्ज को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें मलेशिया के कोक जिंग होंग ने 22-20, 21-10 से हराया। दिन में बाद में एचएस

प्रणय, आयुष शेट्टी और तरुण मानेपल्ली भी पुरुष एकल वर्ग के पहले दौर में अपने-अपने मुकाबले खेलेंगे। मिक्स्ड डबल्स में भारत की जोड़ी रोहन कपूर और रुत्विका गड्डे ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन वे चार मैच प्वाइंट बचाने के बावजूद अमेरिकी जोड़ी प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाय से 12-21, 21-19, 20-22 से हार गईं।

बाबर आजम के नाम दर्ज हुआ एक अनचाहा रिकार्ड

» 83 पारियों से कोई शतक नहीं लगा पाये

एजेंसी, रावलपिंडी

पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम श्रीलंका के खिलाफ पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में 29 रन ही बना पाये। इसी के साथ ही बाबर के नाम एक शर्मनाक रिकार्ड हो गया। वह पिछले 800 दिनों से कोई शतक नहीं लगा पाये हैं। उन्होंने साल 2023 में अंतिम बार शतक लगाया था। इस प्रकार वह पिछली 83 पारियों से कोई शतक नहीं लगा पाये हैं। पिछला शतक भी उन्होंने नेपाल जैसी नई और अनुभवहीन टीम के खिलाफ लगाया था। इसी के साथ बाबर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बिना शतक के सबसे ज्यादा पारियों के भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। एशियाई बल्लेबाजों में सनथ

जयसूर्या इस सूची में सबसे आगे हैं, वह 87 पारियों तक शतक नहीं लगा पाये थे। श्रीलंका के खिलाफ बाबर ने अच्छी शुरुआत की थी पर स्पिनर वानिंदु हसरंगा की एक रहस्यमयी गेंद पर उनकी पारी समाप्त हो गयी। महीश थीक्षणा की गेंद पर बाबर ने दो शानदार चौके लगाए, लेकिन इसके बाद उनके बल्ले से रह नहीं आ रहे थे। श्रीलंकाई स्पिनरों ने दबाव बनाया, जिससे बाबर पर अंकुश लग गया। चौके तक के लिए उन्हें 25 गेंद खेलनी पड़ी। इस मैच में हालांकि सलमान अली आगा के शतक से 299 रन बनाकर पाक टीम 6 रनों से जीत दर्ज करने में सफल रही।

एशेज ओपनर से बाहर हुए सीन एबॉट, जोश हेजलवुड फिट घोषित

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया को एशेज सीरीज से पहले चोट के मोर्चे पर झटका लगा है। तेज गेंदबाज सीन एबॉट को हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण पहले टेस्ट से बाहर कर दिया गया है, जबकि जोश हेजलवुड को स्कैन के बाद फिट घोषित किया गया है और वे टीम के साथ पर्थ में जुड़ेंगे। यह घटना न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया के बीच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर खेले जा रहे शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान हुई, जब दोनों गेंदबाज लंच के बाद मैदान पर नहीं लौटे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा, "जोश हेजलवुड पर्थ में होने वाले एशेज टेस्ट के लिए नियोजित कार्यक्रम के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ेंगे। हेजलवुड ने दाहिनी हैमस्ट्रिंग में जकड़न की शिकायत की थी, लेकिन स्कैन में किसी प्रकार की मांसपेशीय चोट नहीं पाई गई है। वे पहले टेस्ट की तैयारी

सामान्य रूप से जारी रखेंगे।" बोर्ड ने बताया, "सीन एबॉट के स्कैन में मॉडरेट ग्रेड हैमस्ट्रिंग इंजरी की पुष्टि हुई है। वे पर्थ टेस्ट के लिए चयन के योग्य नहीं होंगे और आने वाले हफ्तों में उनके रिहैब की योजना तैयार की जाएगी।" गौरतलब है कि पैट कमिंस पहले ही चोट के कारण पर्थ टेस्ट से बाहर हैं, जिससे ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी विभाग में चिंता बढ़ गई है। लांस मॉरिस, झाय रिचर्डसन और स्पेंसर जॉनसन भी इस समय चोटिल हैं। ऐसे में अगर किसी और तेज गेंदबाज को चोट लगती है, तो 31 वर्षीय ब्रेंडन डॉगेट को टेस्ट डेब्यू का मौका मिल सकता है। उन्होंने इस सीजन में शेफील्ड शील्ड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14.69 की औसत से 13 विकेट झटके हैं। इस बीच, पैट कमिंस ने एससीजी पर अपनी रिकवरी पर काम जारी रखा और उम्मीद है कि वे 4 दिसंबर से गाबा में शुरू होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट तक फिट हो जाएंगे।

व्यापार

सीतारमण ने बजट पूर्व परामर्श के लिए एमएसएमई क्षेत्र के हितधारकों से मुलाकात की

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को राजधानी नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के हितधारकों के साथ तीसरी बजट-पूर्व परामर्श की अध्यक्षता की। निर्मला सीतारमण ने एमएसएमई क्षेत्र के हितधारकों के साथ तीसरी बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। ये बैठक आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 की तैयारियों के हिस्से के रूप में आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान चर्चा में एमएसएमई क्षेत्र के समक्ष आने वाली प्रमुख चुनौतियों तथा इसके विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव, वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और एमएसएमई मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इससे पहले सोमवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में नई दिल्ली में देश के प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। ये बैठकें बजट-पूर्व चर्चाओं की श्रृंखला की शुरुआत का प्रतीक हैं, जिसे वित्त मंत्रालय बजट तैयारी प्रक्रिया के भाग के रूप में प्रतिवर्ष आयोजित करता है।

भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 14 नवंबर से होगा शुरू, दिखेगी भारत की विविधता

नई दिल्ली। राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में 14 नवंबर से 44वां अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) शुरू होगा, जो 27 नवंबर तक चलेगा। इस बार का मेला 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की थीम पर होगा। भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) ने बुधवार को बताया कि इस बार इस मेले की थीम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' देश की एकता और विविधता को दर्शाती है। भारत मंडपम में लगने वाले ट्रेड फेयर में इस बार अलग-अलग हॉल में अलग सजावट की जाएगी। बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश 'साझेदार राज्य' के रूप में भाग लेंगे, जबकि झारखंड को 'फोकस' राज्य के रूप में चुना गया है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), चीन, ईरान, दक्षिण कोरिया और मिस्र सहित 12 देशों के विदेशी प्रदर्शक 14 दिन चलने वाले इस मेले में हिस्सा लेंगे। आईटीपीओ के मुताबिक मेले का समय सुबह 10 बजे से शाम साढ़े सात बजे तक रहेगा। भैरों रोड की ओर तीन व चार और मथुरा रोड पर छह व 10 नंबर प्रवेश द्वार से लोग आवाजाही कर सकते हैं। व्यावसायिक दिन 14 से 18 नवंबर के बाद इसे 19 से 27 नवंबर तक आम जनता के लिए खोला जाएगा। बयान में कहा गया कि भारत मंडपम के द्वारों पर टिकट की बिक्री नहीं होगी। टिकट डीएमआरसी के 55 मेट्रो स्टेशन पर की जाएगी। टिकट दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के 'साथी' ऐप के माध्यम से ऑनलाइन भी खरीदे जा सकेंगे।

खुदरा महंगाई दर अक्टूबर महीने में घट कर 0.25 फीसदी पर

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम आदमी को बड़ी राहत देने वाली खबर है। खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में घट कर कई साल के निचले स्तर 0.25 फीसदी पर आ गई है। ये वर्तमान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला का सबसे निचला स्तर है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बुधवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों में बताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती और सब्जियों एवं फलों की कीमतों में नरमी के कारण खुदरा महंगाई दर (मुद्रा स्फीति) में यह गिरावट आई है। एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर अक्टूबर में घट कर 0.25 फीसदी पर आ गई है। सितंबर माह में यह 1.44 फीसदी

और अक्टूबर, 2024 में 6.21 फीसदी थी। इस तरह सितंबर, 2025 की तुलना में अक्टूबर, 2025 की मुख्य मुद्रा स्फीति में 119 आधार अंकों की कमी आई है। यह वर्तमान सीपीआई श्रृंखला की वर्ष-दर-वर्ष सबसे कम महंगाई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर में खाद्य महंगाई घट कर शून्य से नीचे 5.02 फीसदी पर आ गई है। एनएसओ ने कहा कि अक्टूबर, 2025 के दौरान कुल महंगाई और खाद्य मुद्रा स्फीति में गिरावट मुख्य रूप से जीएसटी दर में कटौती, अनुकूल आधार प्रभाव एवं तेल एवं वसा, सब्जियों, फलों, अंडे, जूते, अनाज, परिवहन व संचार की महंगाई दर में नरमी के कारण आई है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद, सेंसेक्स में 595 अंकों की उछाल

नई दिल्ली। शेयर बाजार में लगातार तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को तेजी जारी रही। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 595.19 यानी 0.71 फीसदी की उछाल के साथ 84,466.51 पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 180.85 अंक यानी 0.70 फीसदी की बढ़त के साथ 25,875.80 स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडाणी पोर्ट्स, टाइटन, इटर्नल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, भारती एयरटेल, सन फार्मास्युटिकल्स, बजाज फाइनेंस, पावरग्रिड, भारतीय स्टेट बैंक और एशियन पेंट्स के शेयर फायदे में रहे हैं। वहीं, आज सूचीबद्ध हुई टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स, टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स

लिमिटेड, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में तेजी के बीच विभिन्न क्षेत्रों के निवेशकों की ओर से की गई खरीदारी से बुधवार दोपहर के कारोबार में सेंसेक्स में 770 अंक से अधिक की तेजी आई, जबकि निफ्टी 25,900 अंक के पार पहुंच गया। इसके अलावा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद और लंबे समय से जारी अमेरिकी सरकार के 'शटडाउन' को समाप्त करने की दिशा में प्रगति ने निवेशकों की धारणा को मजबूत किया। उल्लेखनीय है कि शेयर बाजार एक दिन पहले मंगलवार को हरे निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई का सेंसेक्स 335.97 अंक यानी 0.40 फीसदी उछल कर 83,871.32 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 120.60 अंक यानी 0.47 फीसदी की बढ़त के साथ 25,694.95 पर बंद हुआ था।

सोना-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने चांदी की कीमतों में तेजी आयी है। इन दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा भाव कारोबार में तेजी दर्ज की गयी है। सुबह घरेलू बाजार में आज सोने की वायदा कीमतें 1,24,400 रुपये, जबकि चांदी की कीमत 1,55,600 रुपये के करीब रही हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज बढ़त के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 387 रुपये बढ़कर 1,24,300 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,23,913 रुपये था। एक समय ये अनुबंध 526 रुपये की तेजी

के साथ 1,24,439 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,24,444 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,24,210 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,31,699 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 911 रुपये की तेजी के साथ 1,55,598 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,54,687 रुपये था। एक समय यह अनुबंध 913 रुपये की तेजी के साथ 1,55,600 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,55,850 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,55,400 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल कया।

चांदी के वायदा भाव इस साल 1,69,200 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में तेजी रही। कॉमेक्स पर सोना 4,132.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 4,116.30 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 23.50 डॉलर की तेजी के साथ 4,139.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रेनो ट्राइबर का नया फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च

नई दिल्ली। देश की सबसे सस्ती 7 सीटो वाली रेनो ट्राइबर का नया फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च कर दिया है, जो डिजाइन, फीचर्स और सेफ्टी के मामले में पहले से काफी बेहतर है। यह कार मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों वैरिएंट्स में उपलब्ध है। नई ट्राइबर की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.76 लाख रुपए रखी गई है। हाल ही में एचटी ऑटो द्वारा इस कार के एएमटी वैरिएंट का माइलेज टेस्ट किया गया। टेस्ट के दौरान एमआईडी को जीरो कर 70.3 किलोमीटर तक शहर के अंदर ड्राइव किया गया। इस दौरान औसत गति 50 किलोमीटर प्रति घंटा रही और लगभग साढ़े चार घंटे के सफर में ट्राइबर ने 14 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज दिया। 2025 रेनो ट्राइबर फेसलिफ्ट के टॉप वैरिएंट इमोशन में 6 सिंगल-टोन और 3 डुअल-टोन कलर ऑप्शन मिलते हैं। इसके एक्सटीरियर में एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप, डीआरएलएस, फॉग लैंप और नया रेनो लोगो दिया गया है। डिजाइन में नया फ्रंट बंपर और ग्रिल इसे ताजगी भरा लुक देते हैं। इमोशन वैरिएंट में स्टील व्हील्स हैं, लेकिन इन्हें डुअल-टोन एलॉय की तरह दिखने वाले कवर के साथ दिया गया है। बेहतर माइलेज, आकर्षक डिजाइन और बजट-फ्रेंडली कीमत के साथ रेनो ट्राइबर फेसलिफ्ट अब भारतीय बाजार में एमजी कॉमेट ईवी, टाटा टियागो ईवी और विनफास्ट मिनियो ग्रीन जैसी कारों को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार है। अंदर की बात करें तो इसमें डुअल-टोन इंटीरियर, 8-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 7-इंच टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, एंड्रॉइड ऑटो और एपल कारप्ले सपोर्ट, पुश-बटन स्टार्ट-स्टॉप और कूल्ड ग्लव बॉक्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसमें तीन रो की फ्लेक्सिबल सीटिंग है, जो 100 से अधिक स्टोरेज कॉम्बिनेशन की सुविधा देती है।

राधिका आप्टे की साली मोहब्बत ओटीटी पर रिलीज को तैयार, उजागर होंगे रिश्तों के कई रहस्य

बॉलीवुड में राधिका आप्टे अपनी अलग अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। वह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म साली मोहब्बत को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इसे पहले आईएफएफआई गोवा में और शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल में दिखाया जा चुका है। यह फिल्म एक छोटे शहर की गृहिणी स्मिता की कहानी है। उसका शांत और सरल जीवन तब बिखरने लगता है जब उससे जुड़े कई रहस्य उजागर होने लगते हैं। फिल्म साली मोहब्बत में बेवफाई और धोखे जैसे विषय दिखाए गए हैं। फिल्म जल्द ही जी5 पर रिलीज होने वाली है। टिस्का चोपड़ा ने वैरायटी को फिल्म के बारे में बताते हुए कहा, मैं हमेशा से रिश्तों की सतह के नीचे मौजूद शांत तनावों को जानने में दिलचस्पी रखती हूं। उन चीजों को भी जानने की

इच्छुक रही हूं, जिनसे प्यार किसी गहरे अंधेरे में बदल सकता है। टिस्का चोपड़ा ने आगे कहा कि फिल्म का निर्देशन करने से उन्हें महिला फिल्म निर्माताओं के लिए बनाई गई सीमाओं से आगे बढ़ने का मौका मिला। टिस्का चोपड़ा के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में राधिका आप्टे के अलावा दिव्येंदु शर्मा, अनुराग कश्यप, अंशुमान पुष्कर, सौरसेनी मैत्रा और शरत सक्सेना हैं। फिल्म का प्रोडक्शन जियो स्टूडियोज और मनीष मल्होत्रा के स्टेज5 प्रोडक्शन ने किया है। राधिका आप्टे ने साल 2005 में वाह! लाइफ हो तो ऐसी फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था। 2024 में वह फिल्म सिस्टर मिडनाइट में नजर आई थीं। इसके बाद वह 2025 में अमेरिकन फिल्म लास्ट डेज में नजर आईं।

मोनालिसा का हॉट देसी लुक, ब्लू साड़ी में गिराईं बिजलियां, डीपनेक ब्लाउज में कहर ढाती दिखीं हसीना

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने देसी लुक को लेकर चर्चा में हैं. मोनालिसा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो ब्लू साड़ी में कहर ढाती नजर आ रही हैं. जैसे ही ये फोटोज सामने आईं, सोशल मीडिया पर फैंस ने कमेंट्स और लाइक्स की झड़ी लगा दी. मोनालिसा का ये लुक पूरी तरह देसी और एलीगेंट है. उन्होंने ब्लू कलर की सिल्क साड़ी पहनी है, जिसके बॉर्डर पर पतली लेस और हल्के डिजाइन से इसे बेहद अट्रैक्टिव बनाया गया है. साड़ी के साथ मोनालिसा ने डीपनेक ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तडक़ा लगा रहा है. एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर गदर काट रही हैं. जिसपर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं. एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए बालों को ओपन कर्ल्स में रखा है. साथ ही ग्लोसी मेकअप, मैचिंग झुमके, और माथे पर छोटी सी बिंदी उनके देसी अवतार को और भी निखार रही है. इस फोटोशूट की हर तस्वीर में मोनालिसा का कॉन्फिडेंस और चार्म साफ झलक रहा है. मोनालिसा ने अपनी इन तस्वीरों के कैप्शन में कोई टेक्स्ट नहीं लिखा, बस कई सारे ब्लू हार्ट इमोजी लगाए. लेकिन उनके फैंस ने कैप्शन की कमी पूरी कर दी. कोई उन्हें देसी क्वीन कह रहा है, तो कोई ब्लू ब्यूटी बोलकर तारीफ कर रहा है. बता दें कि मोनालिसा भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं. उन्होंने इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दी हैं. इन दिनों वो टीवी की दुनिया में भी अपनी जगह बना चुकी हैं और कई पॉपुलर शोज में नजर आ चुकी हैं. इसके अलावा, मोनालिसा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं, जहां वो आए दिन अपने फैंस के साथ अपनी नई तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं, और फैंस को भी उनकी लेटेस्ट पोस्ट का बेसब्री से इंतजार रहता है. बहरहाल, मोनालिसा की ये तस्वीरें पोस्ट होने के कुछ ही घंटों में वायरल हो गईं, जिसपर फैंस के अबतक हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं. इन तस्वीरों से एक बात तो साफ है, कि एक्ट्रेस हर बार अपने पोस्ट से फैंस का दिल जीत लेती हैं.

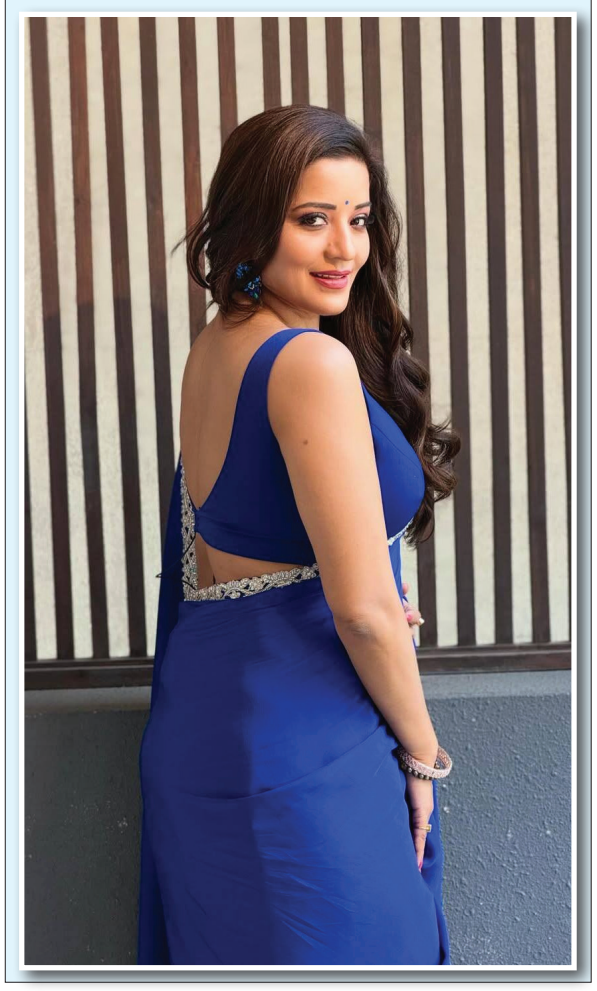

नेहल चुडासमा ने अमाल मलिक को कहा दोहरे चेहरे वाला

हाल ही में 'बिग बॉस 19' के घर से बाहर हुईं नेहल चुडासमा ने अपने साथी कंटेस्टेंट अमाल मलिक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने अमाल मलिक को दोहरे चेहरे वाला बताया है। नेहल ने शो के दौरान संगीतकार-गायक अमाल मलिक के बारे में की गई अपनी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी। बिग बॉस हाउस में रहते हुए उन्हें लगा था कि अमाल दोहरे व्यक्तित्व के इंसान हैं। मॉडल और अभिनेत्री नेहल चुडासमा से जब पूछा गया कि क्या 'बिग बॉस 19' के घर से बाहर निकलने के बाद अमाल मलिक के बारे में उनकी राय बदल गई है, तो नेहल ने कहा, मेरी राय लगभग वैसी ही है। घर के अंदर मैंने जो देखा, वह उनके स्वभाव को दर्शाता है। मैंने ऐसा कुछ भी नहीं देखा, जिससे मुझे इसके विपरीत सोचने पर मजबूर होना पड़े। शो में अपने सफर पर विचार करते हुए, नेहल ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि घर के अंदर उनके रिश्ते इतने चर्चित हो जाएंगे। नेहल ने कहा, बिल्कुल नहीं। मुझे उम्मीद नहीं थी कि मेरे निजी रिश्तों को इतना अटेंशन मिलेगा। अंदर जो कुछ भी हुआ वह स्वाभाविक था, कैमरों के लिए कुछ भी नहीं था। जब उनसे इस दावे के बारे में पूछा गया कि बसीर अली के साथ उनके रिश्ते ने बशीर के खेल को प्रभावित किया, तो नेहल चुडासमा ने कहा, सच कहूं तो, मुझे नहीं लगता कि मेरी मौजूदगी ने उनका ध्यान भटकाया। हम दोनों ने अपना-अपना गेम खेला। लोगों को धारणाएं बनाना पसंद है, लेकिन हम अपनी प्राथमिकताएं अच्छी तरह जानते थे। 'बिग बॉस 19' के वीकेंड के वार में प्रणित मोरे, गौरव खन्ना, नेहल चुडासमा और बशीर अली को नॉमिनेट किया गया था। प्रणित और गौरव घर में अपनी जगह पक्की करने में कामयाब रहे, वहीं नेहल और बशीर को कम वोट मिलने के चलते शो से बाहर का रास्ता दिखाया गया। वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान होस्ट सलमान खान ने शो से उनके बाहर होने की घोषणा की।

महेश बाबू ने ग्लोब ट्रॉटर का किया एलान, 15 नवंबर को रामोजी फिल्म सिटी में लॉन्च होगी एसएसएमबी29 की पहली झलक?

सुपरस्टार महेश बाबू और निर्देशक एसएस राजामौली की आगामी फिल्म एसएसएमबी29 को लेकर उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है. इस उत्साह के बीच एसएसएमबी29 के मेकर्स ने महेश बाबू का एक नया वीडियो जारी किया. इस वीडियो में महेश बाबू ने ग्लोब ट्रॉटर नाम के इवेंट का एलान किया है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक दिखाने की योजना बनाई है. यह 15 नवंबर को हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में आयोजित होगा. राजामौली की आगामी फिल्म, जिसका संभावित नाम एसएसएमबी29 रखा गया है, के मेकर्स ने फिल्म के लिए एक बड़ा अपडेट साझा किया है, जिसमें महेश बाबू ने फिल्म की पहला ऑफिशियल अनाउंसमेंट किया है. शेयर किए गए वीडियो मैसेज में तेलुगु सुपरस्टार ने एलान किया कि फिल्म का पहला कार्यक्रम 15 नवंबर को हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा. वीडियो के जरिए महेश बाबू ने फैंस को इस कार्यक्रम में आने का न्योता दिया. उन्होंने कहा, आप महीनों से पूछ रहे हैं, और अब समय आ गया है. 15 नवंबर को, दुनिया हमारी कहानी में अपना पहला कदम रखेगी. हम जो कुछ भी पूरे दिल से बना रहे हैं, उसका अनुभव करें. नके इस मैसेज ने फैंस के बीच हलचल मचा दी है, जो इस प्रोजेक्ट के अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. राजामौली के बेटे एसएस कार्तिकेय ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, ग्लोब ट्रॉटर के शब्दों को मार्क करें. 15 नवंबर के लिए तैयार हो जाइए. इस कार्यक्रम में फिल्म के मुख्य कलाकारों महेश बाबू, पृथ्वीराज सुकुमारन, प्रियंका चोपड़ा और अन्य के शामिल होने की उम्मीद है. 7 नवंबर को, मेकर्स ने कुंभा के रूप में पृथ्वीराज सुकुमारन का पहला लुक जारी किया था. राजामौली ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पोस्टर को शेयर करते हुए सुकुमारन को अपने अब तक के सबसे बेहतरीन एक्टर्स में से एक बताया. उन्होंने कैप्शन में लिखा, पृथ्वी के साथ पहला शॉट शूट करने के बाद, मैं उसके पास गया और कहा कि तुम उन बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हो जिन्हें मैंने कभी जाना है. इस भयावह, निर्दयी, शक्तिशाली खलनायक कुंभा को जीवंत करना रचनात्मक रूप से बहुत संतोषजनक था. धन्यवाद पृथ्वी, अपनी कुर्सी पर बैठने के लिए... सचमुच... ग्लोब ट्रॉटर. महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन के अलावा राजामौली की निर्देशित इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा भी मुख्य भूमिका में हैं. राम चरण और जूनियर एनटीआर अभिनीत आरआरआर की अपार सफलता के बाद, ग्लोब ट्रॉटर या एसएसएमबी29 राजामौली की अगली बड़ी फिल्म है. हालांकि टीम ने अभी तक फिल्म के फाइनल टाइटल का खुलासा नहीं किया है.

रणवीर सिंह की धुरंधर से सामने आया आर माधवन का अनदेखा अवतार, बढ़ी फिल्म से उम्मीदें, कुछ इस अंदाज में दिखे एक्टर

बॉलीवुड से अगली बड़ी रिलीज रणवीर सिंह की आगामी फिल्म धुरंधर आ रही है. मेकर्स कुछ दिनों में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च करने वाले हैं. ट्रेलर लॉन्च से पहले, मेकर्स ने फिल्म से आर माधवन का फर्स्ट-लुक पोस्टर रिलीज किया है. इससे पहले मेकर्स ने अर्जुन रामपाल का फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी किया था, जो इस आगामी फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. मेकर्स ने फिल्म से अर्जुन रामपाल के किरदार का पहला लुक जारी किया था, जिससे फिल्म को लेकर फैंस की उत्साह बढ़ गई हैं. वहीं अब, मेकर्स ने आर. माधवन का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया, जिसने फैंस को हैरान कर दिया है. इस नए लुक के लिए माधवन ने खुद में काफी बदलाव किया है. पोस्टर में आर. माधवन को पहचान पाना थोड़ा मुश्किल सा लग रहा है. पोस्टर को जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, कर्म का सारथी. पोस्टर में उन्हें एक ग्रे सूट, चश्मा और गंभीर भाव में दिखाया गया है. इस लुक में एक्टर का आगे का बाल गायब है., जिसकी वजह से माधवन लगभग पहचान में नहीं आ रहे हैं. पोस्टर रिलीज होते ही, रणवीर सिंह ने इस पर प्रतिक्रिया दी. लुक से प्रभावित होकर, उन्होंने माधवन की हौसलाअफजाई की और एक फायर इमोजी के साथ लिखा, मैडी सुप्रीमेसी. फैंस अटकले लगा रहे हैं कि फिल्म में आर माधवन पूर्व आईपीएस और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का किरदार निभा सकते हैं. एक यूजर ने लिखा है, भारतीय सुपरहीरो और पाकिस्तान के पिता अजीत डोवाल. एक ने लिखा है, अच्छा, अच्छा, अजीत डोभाल जी. एक दूसरे यूजर ने लिखा है, ग्रेट इंडियन जेम्स बॉन्ड भारतीय जासूस अजीत डोवाल की बायोग्राफी. हालांकि इसकी अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. वहीं, इस पोस्टर के जरिए मेकर्स ने फैंस को ट्रेलर रिलीज की तारीख और समय रिमाइंड कराया है. बता दें, धुरंधर का ट्रेलर 12 नवंबर को दोपहर 12.12 बजे लॉन्च किया जाएगा. आदित्य धर की लिखित और निर्देशित धुरंधर सच्ची घटनाओं से प्रेरित है. हालांकि इसकी कहानी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर सिंह एक अंडरकवर जासूस की भूमिका निभाएंगे. फिल्म में संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल भी हैं. यह फिल्म 5 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

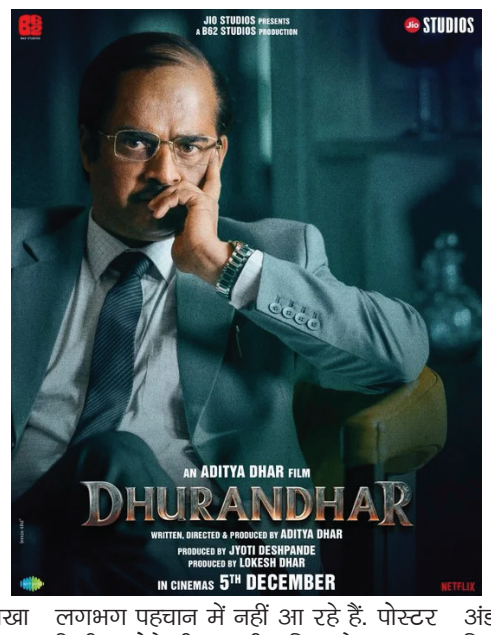

अरबाज खान की हॉरर फिल्म काल त्रिघोरी का ट्रेलर हुआ जारी, रिलीज डेट भी आई सामने

इन दिनों दर्शक हॉरर फिल्मों को पसंद कर रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुई हॉरर फिल्म थामा को दर्शकों ने खूब प्यार दिया। ऐसे में जल्द ही सिनेमाघरों में हॉरर फिल्म काल त्रिघोरी रिलीज होने वाली है। आज इसका ट्रेलर रिलीज किया गया है जो काफी दमदार और डरावना है। ट्रेलर में अरबाज खान, ऋतुपर्णा सेनगुप्ता, महेश मांजरेकर और आदित्य श्रीवास्तव अभिनय करते नजर आए हैं। मेकर्स ने आज काल त्रिघोरी का ट्रेलर जारी किया है। ट्रेलर में डरावनी आवाज सुनाई देती है, गुडिय़ा, हवेली और काली बिल्ली के दृश्य दिखाई देते हैं। ट्रेलर में कलाकार एक दूसरे से इस बात पर बहस करते हैं कि आत्माएं होती हैं या नहीं। कोई कहता है आत्माएं होती हैं तो कोई उनके वजूद को मानने के लिए तैयार नहीं होता है। फिल्म काल त्रिघोरी का ट्रेलर तो दमदार है ही, इसके साथ इसके संवाद भी दमदार और डराने वाले हैं। ट्रेलर के संवाद कुछ इस तरह हैं काल त्रिघोरी 100 साल में आता है। बिल्ली आत्मा देख लेती है। ये भूत-प्रेत, जादू-टोना क्या सब सच है? मुझे मालूम है तू यह सब मानता नहीं है, आत्माएं होती हैं। मैं उस आत्मा को यहां बुलाउंगा। हवेली के ऊपर किसी बुरी आत्मा का साया है। ट्रेलर में ही बताया गया है कि फिल्म 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक नितिन वैद्य हैं और वही इसके लेखक भी हैं। इसके निर्देशक शिरीष वैद्य, नितिन घटालिया और मानसुख तलसानिया हैं। फिल्म में राजेश शर्मा, मुग्धा गोडसे और अन्य कलाकार भी होंगे। इसमें दर्शकों को सस्पेंस और हॉरर का डोज मिलेगा।

Tejashwi Yadav rejects Bihar exit poll projections, says numbers released during voting

New Delhi, Agency: RJD leader and Mahagathbandhan chief ministerial candidate Tejashwi Yadav on Wednesday dismissed the exit poll projections for the Bihar assembly elections, most of which gave a clear edge to the NDA and many pollsters predicted that the Mahagathbandhan would not form the government. He said he neither lives in false optimism nor in misunderstanding.

Addressing a press conference in Patna, Yadav claimed that even while people were still standing in queues waiting for their turn to vote, and the polling process had not yet ended, exit polls were already being released, predicting the BJP-JD(U) alliance's victory in the assembly elections.

Follow Bihar exit polls live updates here.

"Yesterday, people stood in long queues during voting, even until six or seven in the evening. People patiently waited to cast their votes. And while voting was still underway, exit polls began to emerge. We neither live in false optimism nor in misunderstanding. These surveys are brought out merely to create a psychological impact, to put pressure on the officials involved in the election process," he said.

The RJD leader also questioned the sample size and criteria of the surveys, which he said had not even been made public. "If you ask any of those showing these surveys about the sample size, none of them can tell you.

Neither the sample size nor the criteria of the survey have been made public," he said.

'Mahagathbandhan collected feedback'

Tejashwi said that the Mahagathbandhan had collected feedback from people after they had cast their votes, claiming that they had received a positive response and that change was on the way.

"After the election ended, we collected feedback from people, and the information we received has been extremely positive. In the past, such positive feedback never used to come. You can say that the feedback we received this time is even better than what we got during the 1995 elections," he said.

The RJD leader added, "Everyone has voted in large numbers against this government, and this time, change is definitely going to happen. I had already said that the results will come on the 14th, and the oath ceremony will be held on the 18th."

Bihar election exit polls 2025

Dainik Bhaskar projected 145-160 seats for the NDA, 73-91 for the Mahagathbandhan and 0-3 for the Jan Suraaj. The Matrize Exit Poll forecast the NDA likely winning 147-167 seats, the Mahagathbandhan 70-90, and the Jan Suraaj between 0-2 seats.

The People's Pulse gave 133-159 seats to the NDA, 75-101 to the Mahagathbandhan and 0-5 to Prashant Kishore's Jan Suraaj party.

Exit poll projections are made by election survey agencies based on surveys of sample groups spread across constituencies in the state. The agencies interview voters as they leave polling stations after casting their votes.

However, exit polls do not always reflect the actual election results, and several instances in the past have proved them wrong.

Steps to Gaganyaan mission: ISRO's Main Parachutes test for module a success

New Delhi, Agency: The Indian Space Research Organisation (ISRO) has conducted a successful test of the Main Parachutes for the Gaganyaan Crew Module at the Babina Field Firing Range (BFFR), in Uttar Pradesh's Jhansi.

This test, conducted on November 3, is part of the ongoing series of Integrated Main Parachute Airdrop Tests (IMAT) for the qualification of the parachute system for Gaganyaan Mission.

For the Gaganyaan Crew Module, the parachute system comprises a total of 10 parachutes of 4 types. The descent sequence begins with two apex cover separation parachutes that remove the protective cover of the parachute compartment, followed

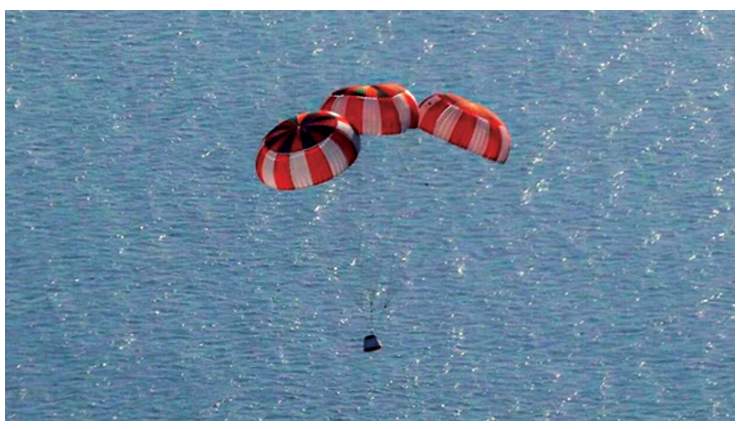

by two drogue parachutes that stabilise and decelerate the module, ISRO said in a statement on Tuesday.

"Upon release of the drogues, three pilot parachutes are deployed to extract three main parachutes, which further slow down the Crew Module to ensure a safe touchdown. The system is designed with redundancy--two of the three main parachutes are sufficient to achieve a safe landing," the space organisation said.

The main parachutes of the Gaganyaan mission deploy in a step-by-step process known as reefed inflation. In this process, the parachute first opens partially, which is called reefing, and then fully opens after a predetermined period of time, known as disreefing. This process is carried out using pyro device.In this test, one of the possible extreme scenarios of delay in the disreefing between the two main parachutes was successfully demonstrated validating the main parachutes for the maximum design. The test evaluated the system's structural integrity and load distribution under asymmetric disreefing conditions--one of the most critical load scenarios expected during actual mission descent.A simulated mass equivalent to the Crew Module was dropped from an altitude of 2.5 km using the Indian Air Force's IL-76 aircraft, as the "the parachute system deployed as planned and the sequence was executed flawlessly."

Bihar woman, 2 children die after 'consuming' pesticides; 1-year-old son battling for life

New Delhi, Agency: Three members of a family, including two children, died after they allegedly consumed pesticides in Bihar's Buxar district, police said on Wednesday.

A one-year-old boy, who was also allegedly fed pesticides, was taken to the Buxar Sadar Hospital but referred to Patna for advanced treatment as his condition deteriorated, a senior officer said.

"After an altercation with her husband, 30-year-old Sabita Devi was suspected of having consumed pesticides in her residence in Purab Tola locality within the Naya Bhojpur police station limits on Tuesday, and she allegedly gave pesticides to her seven-year-old daughter Jyoti, five-year-old son Akash and one-year-old son Vikash," he said.

"Three of them died, and one

child is battling for his life," the police officer said.

An investigation has been initiated, and a team has been sent to Buxar Sadar Hospital for inquiries, he said.

A Buxar Sadar Hospital official stated that they appeared to have ingested pesticides, and three of them were declared brought dead.

Sabita's husband Sunil Kumar, a mason by profession, told reporters that Sabita was his third wife.

2 arrested for robbing jewellery from elderly women using handkerchief-swap trick in Lucknow

New Delhi, Agency: Two men who allegedly tricked elderly women into handing over their jewellery using a fake "police-check" story were arrested by the Krishna Nagar police on Tuesday. The duo used a deceptive handkerchief-swap trick to steal ornaments and flee before victims realised they had been conned, said police.

"The accused have been identified as Imran alias Munna (25), son of Jameel Ahmed, resident of Shahpur Bhamrauli Phatak under Dubagga police limits, and Kallu alias Raju (25), resident of Krishna Vihar. They were arrested from the Gangakheda railway underpass on Tuesday morning," said DCP West Nipun Agarwal.

According to the DCP, the accused would roam around neighbourhoods on a scooter under the guise of scrap dealers. After spotting elderly women walking alone, they would approach them and warn about

"police checking" ahead, advising them to remove their jewellery for safety. The victims were told to wrap their ornaments in a handkerchief for protection. The duo would then cleverly swap it with another similar-looking handkerchief and flee with the real one.

"They changed multiple sets of clothes before and after the act to avoid identification through CCTV cameras," said ADCP South Vasanth Rallapalli.

Meghalaya finalises SOPs to tackle early marriages, violence against women and children

Shillong, Agency: The Meghalaya social welfare department has finalised its proposed Standard Operating Procedures (SOPs) to address early marriages and cases of violence against women and children.

The draft has been submitted to the state's advocate general for legal vetting before it is presented to the Meghalaya High Court and made public.

The SOPs, once cleared by the advocate general, are expected to provide a uniform framework for law enforcement, social workers, and local institutions in handling cases of early marriage and gender-based violence.

Adviser to the department Paul Lyngdoh said the SOPs aim to bridge the

gap between traditional practices and existing laws such as the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act. "The challenge is to strike a balance between cultural realities and the law of the land. Early marriages are widespread, and the law has to be implemented in a way that is both effective and sensitive," Lyngdoh said after a consultative meeting with stakeholders on Tuesday evening.

He said that implementation of the POCSO Act remains difficult in rural Meghalaya, where many communities are unaware of legal provisions. "We don't have child marriage as an institution, yet early marriages are common across the state. Many girls conceive at 13 or 14. When enforcement happens, villages often plead ignorance, saying it's a long-standing custom," he added.Meanwhile, the department plans a statewide awareness campaign involving counsellors, experts, and Child Development Project Officers (CDPOs) to reach remote villages and educate communities about child protection laws.Lyngdoh also called for stronger community participation in law enforcement through the revival and empowerment of Village Defence Parties (VDPs). He said that in many rural areas, the nearest police outpost is several hours away, making it crucial for local residents to support policing efforts.

Chhattisgarh woman kills husband, stuffs body in bag, rings daughter to confess

New Delhi, Agency:A harrowing incident recently rattled Chhattisgarh's Jashpur where a woman absconded after she allegedly killed her husband, stuffed his body into a bag and called her daughter to confess to the crime.

In Bhinjpur village under Duldula police station limits, the 43-year-old Santosh Bhagat was killed by his wife, who covered his body with a blanket, and stuffed it into a trolley bag, news agency PTI reported quoting Jashpur senior superintendent of police Shashi Mohan Singh.

The incident came to light after their daughter, who lives in Korba, rushed to Bhinjpur with her husband the next day and informed Bhagat's elder brother Vinoj Minj, who shortly filed the case complaint.

The accused Mangrita and her husband, Santosh Bhagat had been quarrelling frequently, read a TOI report that quoted neighbours as saying.

According to the FIR, the couple had an argument on November 7. Neighbours said the dispute spilled over to next day, and Bhagat was likely murdered on the night of November 8.

Police booked Mangrita under BNS Section 103(1) (murder) and launched a search for her. A team was also dispatched to Maharashtra to trace her.

Bhagat is suspected to have died of bleeding from the nose and mouth.

The body was sent for autopsy, and the preliminary post-mortem report indicated a fatal blow to the temple inflicted with a sharp-edged weapon, officials said.

Mangrita, who used to work in Mumbai and had returned to the village a few months ago, is absconding and efforts are on to arrest her, police said. As per the complaint, the deceased has three children, all of whom are married and live outside the village.

Marital disputes to murders

In another case of marital dispute that resulted in a murder, a woman sought help from her lover and two relatives and allegedly killed her husband before burying the body beneath the floor of their kitchen in Gujarat's Ahmedabad, resembling the cover-up from the Bollywood crime-thriller Drishyam.

Nearly a year after the mysterious disappearance of Samir Ansari, the city crime branch on the night of November 4 exhumed his bones and other remains from beneath the kitchen floor of his locked house in Ahmedabad's Sarkhej area, news agency PTI reported quoting the deputy commissioner of police, crime, Ajit Rajian.

The woman's lover, Vaghela who was arrested, confessed that she had plotted the murder because her husband allegedly beat her after learning about her extramarital affair and that she saw him as an obstacle in her illicit relationship.

"With the help of the woman and two others, Imran first slit Ansari's throat and cut his body into pieces. They then dug a pit in the kitchen and covered it with cement and tiles after dumping the body.